YouTube AJJ KA MUDDA

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र

Website : www.aajkamudda.com
Email:muddaaajka@gmail.com

आज का मुद्दा

नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

नजर आपकी खबर आपकी

वर्ष : 14 अंक 339 | नोएडा गौतमबुद्धनगर, सोमवार 23 दिसंबर 2024 | RNI-No. UPHIN/2011/37197 | पेज: 8 | मूल्य : 2 रुपया

संभल में बांके बिहारी मंदिर के बाद मिली रानी की बावड़ी

● खुदाई में दिखी सुरंग और मिलने लगे एक से एक अवशेष ● यहां 46 सालों बाद खुले कार्तिकेय महादेव मंदिर के कपाट

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में 46 सालों बाद कार्तिकेय महादेव मंदिर के जहां एक ओर कपाट खुले तो दूसरी ओर विभिन्न मंदिरों और कूपों के निकलने का सिलसिला शुरू हो गया है। संभल की तहसील चंदौसी इलाके में भी खंडहरनुमा बांके बिहारी मंदिर मिलने के बाद एक प्लॉट में बावड़ी मिली है। सनातन सेवक संघ के पदाधिकारियों की मांग के पश्चात डीएम डॉ.राजेन्द्र पैंसिया के आदेश पर एडीएम न्यायिक और तहसीलदार ने शनिवार को जेसीबी से बावड़ी की खुदाई शुरू करा दी। इस खुदाई के दौरान बावड़ी की सुरंग में दीवारें जैसे अवशेष नजर आए हैं। जानकारी के मुताबिक संभल जिले की कोतवाली चंदौसी इलाके के मोहल्ला लक्ष्मणगंज में बीते 17 दिसंबर को खंडहरनुमा प्राचीन बांके बिहारी मंदिर मिला था। सनातन सेवक संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख कौशल किशोर वंदेमातरम ने बीते शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया को एक पत्र दिया। इसके माध्यम से अवगत कराते हुए लक्ष्मणगंज में मंदिर के अतिरिक्त बावड़ी होने का दावा किया और उसके सौंदर्यीकरण की मांग की।

आचार संहिता के नियमों में बदलाव पर बवाल

● भड़के मल्लिकार्जुन खड़गे, बोले-यह लोकतंत्र पर है हमला ● कहा-चुनाव नियम बदलना सरकार की सोची-समझी साजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। वोटिंग नियमों में बदलाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर हमला किया है। रविवार सुबह एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा- पहले मोदी सरकार ने सीजेआई को चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाले पैनल से हटा दिया था और अब वे चुनावी जानकारी को जनता से छिपाना चाह रहे हैं। यह सरकार की सोची-समझी साजिश है। जब भी कांग्रेस ने इलेक्शन कमीशन को वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने और ईवीएम में ट्रांसपेरेंसी के बारे में लिखा, तो ईसीआई ने अपमानजनक लहजे में जवाब दिया और हमारी शिकायतों को भी स्वीकार नहीं किया। दरअसल, केंद्र सरकार ने 20 दिसंबर को पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को पब्लिक करने से रोकने के लिए चुनाव नियमों में बदलाव किया था। अधिकारियों ने बताया कि इसके इस्तेमाल से पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ करके फेक नैरेटिव फैलाया जा सकता है। बदलाव के बाद भी ये कैंडीडेट्स के लिए उपलब्ध रहेंगे। अन्य लोग इसे लेने के लिए कोर्ट जा सकते हैं। चुनाव आयोग की सिफारिश पर कानून मंत्रालय ने 20 दिसंबर को नियमों में बदलाव का ऐलान किया है।

संक्षिप्त समाचार

शाह के इस्तीफे के लिए अब कांग्रेस चलाएगी कैंपेन

● 26 जनवरी तक देशभर में प्रदर्शन होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह की इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी अगले साल 26 जनवरी तक देशभर में कैंपेन चलाएगी। 22 और 23 दिसंबर को कांग्रेस के नेता 150 से ज्यादा शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। 24 मार्च को कलेक्ट्रेट पर मार्च निकालेंगे। 27 दिसंबर को कर्नाटक के

बेलगावी में पार्टी बड़ी रैली होगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को बताया कि संसद सत्र में संविधान पर चर्चा के दौरान अमित शाह ने अपने भाषण में बाबा साहब का अपमान किया है। शाह के बयान से सभी आहत हैं। अब तक अमित शाह या प्रधानमंत्री ने इसके लिए माफी मांगने की कोशिश नहीं की। कांग्रेस गणतंत्र दिवस यानी 26 जनवरी तक इस मुद्दे को देशभर में उठाएगी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी जानकारी दी थी कि लोकसभा और राज्यसभा के कांग्रेस सांसद सीडब्ल्यूसी सदस्यों के साथ देश भर के 150 अलग-अलग शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करेंगे।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की बढ़ेगी मुसीबत

बरेली कोर्ट ने किया तलब, 7 जनवरी को होगी सुनवाई

बरेली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सांसद राहुल गांधी के आर्थिक सर्वेक्षण संबंधी दिए गए बयान को लेकर बरेली जिला एवं सत्र न्यायालय ने उन्हें नोटिस जारी किया। कोर्ट सुनवाई के लिए 7 जनवरी 2025 तारीख तय हुई है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुधीर कुमार ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के विरुद्ध फौजदारी निगरानी स्वीकार कर शनिवार को सुनवाई करते नोटिस भेजकर तलब किया है। बरेली

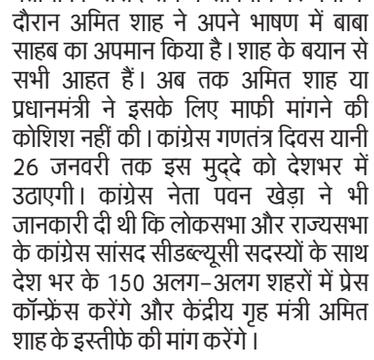

सुभाषनगर निवासी अखिल भारतीय हिंदू महासंघ मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक ने अधिवक्ता वीरेंद्र पाल गुप्ता और अनिल द्विवेदी माध्यम से राहुल गांधी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए एमएलए-एमपी कोर्ट/सीजेएम कोर्ट में अर्जी दी थी। इसे कोर्ट ने 27 अगस्त को निरस्त कर दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए सेशन कोर्ट में रिवीजन फाइल की गई। अधिवक्ता वीरेंद्र पाल गुप्ता ने बताया कि राहुल गांधी राजनीतिक लाभ के लिए वर्ग विद्वेष की भावना पैदा कर रहे हैं। कांग्रेस को सत्ता में लाने की ललक ठीक नहीं है।

महाकुंभ में नागा साधुओं के 'करतब' ने मोहा मन

● माथे पर भभूत, गले में रुद्राक्ष और तलवारें लहराते हुए निकले ● ऊंट-बग्घी, थार पर पेशवाई निकाली, भक्तों ने छतों से बरसाए फूल

प्रयागराज (एजेंसी)। लाठी-तलवार लहराते नागा साधु। माथे पर भभूत। गले में रुद्राक्ष। ऊंट, थार और बग्घी पर जाते संत। कुछ इस अंदाज में महाकुंभ के लिए पंचदशनाम आह्वान अखाड़े ने पेशवाई निकाली। रविवार सुबह 9 बजे नैनी के मड़ौका आश्रम से साधु-संत संगम के लिए निकले। संत आगे-आगे ढोल-नगाड़े के साथ चल रहे थे, पीछे डीजे। उनकी अगवानी के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़कों के किनारे खड़े थे। महिलाओं ने छतों से फूल बरसाकर स्वागत किया। लोगों ने संतों के साथ सेल्फी ली। नैनी से संगम की दूरी 15 किलोमीटर है। संगम की रेती पर साधु-संत जप-तप करेंगे। साधुओं ने बताया- सुबह पहले आश्रम में संतों ने भगवान गणेश को खिचड़ी का भोग लगाया। इसके बाद प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद शोभायात्रा की शुरुआत हुई। महंत राहुल गिरी ने बताया-

मुगल काल से पेशवाई शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा था। इसलिए उसे हटाकर छावनी प्रवेश कर दिया गया है। हम गाजे-बाजे के साथ छावनी प्रवेश निकाल रहे हैं। हम संगम की रेती पर अपने देवता को स्थापित करेंगे। इससे ही

कुंभ मेले का प्रारंभ होगा। नागा साधु संन्यासी संप्रदाय से जुड़े होते हैं। ये अपने शरीर पर भस्म रमाते हैं और निर्वस्त्र रहते हैं। इनका उद्देश्य सांसारिक मोह-माया से दूर रहकर ईश्वर की साधना करना होता है। नागा साधु बनने की प्रक्रिया काफी चुनौती भरी होती है। नागा साधु बनने के लिए व्यक्ति को दीक्षा प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। अखाड़ा समिति यह देखती है कि व्यक्ति नागा साधु की दीक्षा प्राप्त करने योग्य है या नहीं। चयन होने के बाद यह प्रक्रिया करीब 12 साल की होती है। दीक्षा के दौरान साधकों को काफी कठोर तप और संयम का पालन करना होता है। आखिरी चरण में उन्हें शाही स्नान के दौरान नागा साधुओं के अखाड़े में शामिल किया जाता है। नागा साधु अपने शरीर पर कपड़े इसलिए नहीं पहनते, क्योंकि वे वस्त्रों को सांसारिक जीवन और आडंबर मानते हैं। बड़ी बात यह है कि नागा साधु सोने के लिए बिस्तर का भी इस्तेमाल नहीं करते। महाकुंभ में नागा साधुओं का शाही स्नान देखने के लिए देश-विदेश से करोड़ों लोग आते हैं। महाकुंभ में लाखों संत और अखाड़े शामिल होते हैं।

पीएम मोदी को मिला कुवैत का सर्वोच्च सम्मान

● 'ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर' से किए गए सम्मानित ● अब तक 20 देश कर चुके हैं सम्मानित, बढ़ा देश का मान

कुवैत सिटी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कुवैत दौरे के दूसरे दिन सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से सम्मानित किया गया है। उन्हें ये सम्मान कुवैत के अमीर शेख मिशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा ने दिया। ये सम्मान पाने वाले मोदी पहले भारतीय पीएम हैं। मोदी को किसी देश से मिलने वाला ये 20वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर कुवैत का एक नाइटहुड ऑर्डर है। यह कुवैत का सर्वोच्च सम्मान है। यह अवार्ड दोस्ती की निशानी के तौर पर राष्ट्राध्यक्षों और विदेशी शासकों और विदेशी शाही परिवारों के सदस्यों को दिया जाता है।

● भारत और कुवैत को वर्तमान ही नहीं, अतीत ने भी जोड़ा- मोदी ने कहा कि आज भारत रेमिटेंस के मामले में सबसे आगे है, तो इसका बहुत बड़ा श्रेय आप सभी मेहनतकश साथियों को जाता है। देशवासी भी आपके इस योगदान का सम्मान करते हैं। भारत और कुवैत का रिश्ता सभ्यताओं का, व्यापार-कारोबार का है। भारत-कुवैत अरब सागर के दो किनारे पर बसे हैं। हमें सिर्फ डिप्लोमेसी ने ही नहीं दिलों ने भी आपस में जोड़ा है। हमें वर्तमान ही नहीं, अतीत ने भी आपस में जोड़ा है। पीएम ने कहा कि एक वक्त था जब कुवैत से मोती, अच्छी नस्ल के घोड़े भारत जाते थे। वहीं भारत से मसाले, कपड़े, लकड़ी कुवैत आती थीं। कुवैत का मोती, भारत के लिए किसी हीरे से कम नहीं हैं। आज भारत की ज्वैलरी की पूरी दुनिया में धूम है तो इसमें कुवैत को मोतियों का योगदान है। गुजरात में तो हम बड़े-बुजुर्गों से सुनते आए हैं कि किस तरह कुवैत से भारत व्यापारी आया करते थे। 19वीं शताब्दी में ही यहां से व्यापारी सूरत जाने लगे थे। तब सूरत कुवैत के मोतियों के लिए इंटरनेशनल मार्केट हुआ करता था।

कुवैत में भारतीयों ने भारतीयता का तड़का लगाया

मोदी ने कहा कि आपमें से कितने ही लोग पीढ़ियों से कुवैत में रह रहे हैं। बहुत सारे लोगों का जन्म ही यहीं हुआ है। हर साल यहां रहने वाले भारतीयों की संख्या बढ़ती जा रही है। आपने कुवैत के समाज में भारतीयता का तड़का लगाया है। आपने कुवैत के कैनवास पर भारतीय हुनर का रंग भरा है, यहां भारत के टैलेंट, टेक्नोलॉजी और ट्रेडीशन का मसाला मिक्स किया है। मैं यहां सिर्फ आपसे मिलने नहीं आया हूं बल्कि आप सभी की उपलब्धियों को सेलीब्रेट करने के लिए यहां आया हूं। पीएम ने कहा कि मैंने यहां काम करने वाले भारतीय मजदूरों और कर्मचारियों से मुलाकात की। ये साथी यहां कंस्ट्रक्शन से जुड़े हैं। इसके अलावा बाकी लोग भी दूसरे सेक्टर में पसीना बहा रहे हैं। भारतीय समुदाय के डॉक्टर्स, नर्सें कुवैत के मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए बहुत बड़ी शक्ति हैं।

राजस्थान में अब खत्म होगा वाइस प्रिंसिपल का पद

गहलोत राज के एक और फैसले को पलटने का निर्णय

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में भजनलाल सरकार शिक्षा विभाग को लेकर बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके चलते अब प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में वाइस प्रिंसिपल का पद समाप्त किया जाएगा। इसको लेकर शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया है। इसके तहत अब वाइस प्रिंसिपल के पद को डाइंग कैडर बनाने पर सहमति हुई है, अभी जो वाइस प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत शिक्षक हैं, उन्हें अब प्रमोशन दिया जाएगा, लेकिन इसके बाद इस पद पर किसी की भी नियुक्ति नहीं होगी। सरकारी विद्यालयों में वाइस प्रिंसिपल पद को समाप्त किए जाने को लेकर शिक्षक संघ लंबे समय से मांग कर रहे थे। उनका कहना है कि वाइस प्रिंसिपल पोस्ट के कारण उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है। अब शिक्षक सीधे प्रिंसिपल के रुप में पदोन्नत हो पाएंगे, अभी व्याख्याता 4800 ग्रेड पे से पदोन्नत होकर 5400 ग्रेड पे पर वाइस प्रिंसिपल बनते हैं, लेकिन उन्हें नए नियम से फायदा होगा और 6600 ग्रेड पे के आधार पर प्रिंसिपल पर प्रमोशन होगा। शिक्षक संघ की मांग को लेकर शिक्षा विभाग ने भी जायज माना है, उन्होंने समीक्षा बैठक में इसे स्वीकार किया कि स्कूलों में वाइस प्रिंसिपल पद की कोई आवश्यकता नहीं है।

हमारे फैसलों पर कोई वीटो नहीं लगा सकता..

दिल्ली के मंच से दुनिया को जयशंकर का सख्त संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को भारत की स्वतंत्र विदेश नीति पर जोर दिया। उन्होंने सांस्कृतिक विरासत के महत्व पर भी बात की। जयशंकर ने कहा कि भारत अपने फैसलों में राष्ट्रीय हित और वैश्विक भलाई को प्राथमिकता देगा। उन्हें 27वां श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती राष्ट्रीय एमिनेंस अवार्ड मिला है। यह कार्यक्रम नई दिल्ली में हुआ। जयशंकर ने कहा कि स्वतंत्रता को कभी भी तटस्थता से भ्रमित नहीं करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हम अपने राष्ट्रीय हित और वैश्विक भलाई के लिए जो भी सही होगा वो करेंगे। किसी के दबाव में नहीं आएंगे। भारत कभी किसी और को अपनी पसंद पर वीटो नहीं करने देगा। जयशंकर ने कहा कि भारत को आगे बढ़ते हुए अपनी परंपराओं को अपनाना चाहिए। उनका मानना है कि भारत की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति के महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं। दुनिया भारत की विरासत से सीख सकती है। उन्होंने वैश्वीकृत दुनिया में परंपरा और तकनीक के बीच संतुलन बनाने के महत्व पर जोर दिया। विदेश मंत्री का मानना है कि भारत को अपनी सांस्कृतिक ताकत का इस्तेमाल वैश्विक प्रभाव हासिल करने के लिए करना चाहिए। उन्होंने युवा पीढ़ी को अपनी विरासत के मूल्य को समझने के लिए प्रोत्साहित किया।

● कहा-हमारी आजादी को न्यूट्रेलिटी से कनफ्यूज न करें

● विदेश मंत्री ने कहा- हम वही करेंगे जो राष्ट्रहित में होगा

किसानो कि बुलंद आवाज थे चौधरी चरण सिंह

किसान दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने 2001 में हर वर्ष 23 दिसम्बर को चौधरी चरण सिंह की जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाने की जो परम्परा शुरू की थी उससे जरूर उनको साल में एक दिन याद किया जाने लगा है। आज किसानो कि हालात को देखकर चौधरी चरणसिंह जैसे देश के बड़े किसान नेता की याद आना स्वाभावित ही है।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। वो कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उन का कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता।

चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोडने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हे 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है।

चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुखः दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे।

उन्होने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना

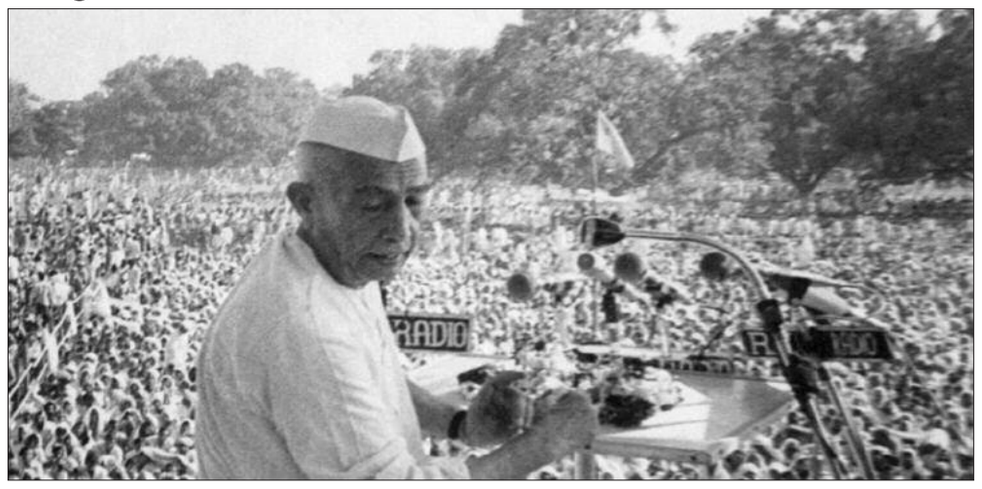

धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितो, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे।

आज देश के किसान कर्ज में डूबे हुये हैं। उनको उनकी उपज का पूरा दाम नहीं मिल पाता है। अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते देश में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहें हैं। केन्द्र व राज्य सरकारें भी किसानो के भले की योजनायें बना पाने में नाकाम रही है। चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां किसानो को झांसा देकर उनके वोट बटोर लेती है। फिर किसी का ध्यान किसानो की समस्याओं के समाधान करने की तरफ नहीं जाता है। ऐसे में आज देश के किसानो को चौधरी चरणसिंह जैसे सच्चे किसान हितैषी नेता की जरूरत है। जो उनके हक में खड़ा होकर किसानो की आवाज बुलन्द कर सके व उनका वाजिब हक दिला सके। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति में एक बड़े नेता थे। मगर इंदिरा गांधी के सहयोग से कुछ समय के लिये देश के प्रधानमंत्री बन कर उन्होने देश में पहली बार कांग्रेस के खिलाफ बने एक मजबूत गठबंधन को तोड़ा था। उससे उनकी प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचा था।

चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी।

किसानो में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होने कभी समझौता नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। केन्द्र में गृहमंत्री बनने पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गये। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक चौधरी चरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने।

चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहान्त हुआ तो देश के किसानो ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलन्द करते हुये आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का अन्त ही देश को आगे ले जा सकता है।

अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने 2001 में हर वर्ष 23 दिसम्बर को चौधरी चरण सिंह की जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाने की जो परम्परा शुरू की थी उससे जरूर उनको साल में एक दिन याद किया जाने लगा है। आज किसानो कि हालात को देखकर चौधरी चरणसिंह जैसे देश के बड़े किसान नेता की याद आना स्वाभावित ही है। मौजूदा समय में चौधरी चरणसिंह जैसा नेता होता तो किसानो को उनका वाजिब हक मिलने से कोई नहीं रोक सकता था। चौधरी चरण सिंह जैसे किसानो के बड़े नेता द्धारा किसानो के हित में किये गये कायों को देखते हुये वर्षो पूर्व ही उनको भारत रत्न सम्मान मिलना चाहिये था। मगर सरकारों की अनदेखी के चलते उनको वर्षों तक उचित सम्मान नहीं मिल पाया। नरेन्द्र मोदी सरकार ने चौधरी चरण सिंह जैसे सच्चे बड़े व सच्चें किसान नेता को भारत रत्न प्रदान कर सच्ची श्रृद्धांजलि अर्पित की है। इससे देश के करोड़ों किसानों के साथ ही सरकार का भी सम्मान बढ़ा है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

अधिकारों की धज्जियां

कानून के सख्त प्रावधान महिलाओं की भलाई के लिए हैं, न कि उनके पतियों को दंडित करने, धमकाने या उन पर हावी होने या जबरन वसूली के लिए हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह कहना है। हिन्दू विवाह को पवित्र प्रथा व परिवार की नींव बताते हुए पीठ ने कहा यह कोई व्यावसायिक समझौता नहीं है। अदालत ने हाल के दिनों में वैवाहिक विवादों से जुड़ी ज्यादातर शिकायतों में दहेज उत्पीड़न, दुष्कर्म, अप्राकृतिक यौन संबंध व आपराधिक धमकी जैसे अपराधों को शामिल करने की बात भी की। साथ ही कहा यह ऐसी प्रथा है, जिसकी अदालत कई मौकों पर निंदा भी कर चुकी है। पीठ ने महिलाओं को सावधान रहने की बात करते करते हुए सलाह दी कि आपराधिक कानून के प्रावधान महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण के लिए हैं, लेकिन कुछ महिलाएं इनका गलत उद्देश्य के लिए इस्तेमाल करती हैं। पीठ वैवाहिक विवाद से जुड़े मामले को निपटाते हुए कहा, भरण-पोषण कई कारकों पर निर्भर करेगा, न कि पति अपनी पूर्व पत्नी को स्थायी गुजारा भत्ता कितना दे या उसकी आय कितनी है। सुकून वाली बात यह भी है कि इस मामले में अदालत ने पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए। पुलिस के साथ ही वकील भी अपराध की गंभीरता को बढ़ाने और मामले को भीषण दिखाने के लोभ में अनर्गल आरोप मढ़ने से नहीं चूकते। उक्त मामले में पति अतिसंपन्न की श्रेणी में है। इसलिए बीवी उसकी आर्थिक स्थिति के अनुरूप गुजारा-भत्ता पाने का दावा कर रही है। जैसा कि अभी मोटा गुजारा भत्ता मांगने व तलाक के लिए अदालती चक्कर काटने से आजिज आकर बंगलुरु के इंजीनियर की आत्महत्या के बाद लोग काफी गुस्से में हैं। स्थापित कानूनों की आड़ में विवाह जैसे पवित्र बंधन को वसूली का जरिया बनाने की मंशा वालों को सिर्फ हिदायतें ही नहीं दी जानी चाहिए। उनके सलाहकारों, वकीलों व पुलिस के प्रति भी अदालतों को सख्त रवैया अख्तियार करना होगा। गुजरा-भत्ता वसूली का जरिया नहीं है, यह विवाहिताओं को समझना चाहिए। उन्हें समय रहते अपने स्वाभिमान के साथ ही बमुश्किल मिले इन अधिकारों की धज्जियां उड़ाने से बाज आना चाहिए। वरना वास्तव में मजबूर/पीड़ित पत्नियों को न्याय मिलना मुश्किल हो सकता है।

चिंतन-मनन

अपने अंदर रहना ही ध्यान

जब हम दुखी होते हैं तो लगता है समय बहुत लम्बा है। जब प्रसन्न होते हैं तो समय का अनुभव नहीं होता है। तो प्रसन्नता या आनन्द क्या है? यह हमारी स्वयं की आत्मा है। यही आत्मतत्व शिव तत्व है या शिव का सिद्धांत है। प्रायः हम जब भगवान की बात करते हैं तो प्रत्येक व्यक्ति तुरन्त ऊपर की ओर देखता है। पर ऊपर कुछ नहीं है। प्रत्येक वस्तु हमारे अन्दर है। अन्दर की तरफ देखना या अपने अन्दर रहना ही ध्यान है। जब तुम अपने किसी नजदीकी व्यक्ति, अपने मित्र या किसी अन्य की तरफ देखते हो तो तुम्हें क्या लगता है? तुम्हारे अन्दर कुछ-कुछ होता है। तुम्हें ऐसा अनुभव होता है कि कोई नई ऊर्जा तुम्हारे अन्दर से होकर प्रवाहित हो रही है। उन महान क्षणों को पकड़ो। यह वही महान क्षण हैं, जो समयशून्य क्षण होते हैं।

ईश्वर ने तुमको दुनिया में सभी छोटे-मोटे सुख व आनन्द दिया है, लेकिन चरम आनन्द अपने पास रखा है। उस चरम आनन्द को प्राप्त करने के लिए तुम्हें उस ईश्वर और केवल ईश्वर के पास ही जाना होगा। अपने प्रयासों में निष्ठा रखो। जब तुम इस चरम आनन्द को प्राप्त करते हो तो बाकी प्रत्येक वस्तुएं आनन्दमय हो जाती हैं। ईश्वर को अच्छा समय दो, इससे तुम पुरस्कृत होगे। यदि तुम्हारी प्रार्थना स्वीकार नहीं होती तो इसका मतलब है कि तुमने ईश्वर को अच्छा समय नहीं दिया है। सत्संग और ध्यान को अपनी सबसे ऊंची प्राथमिकता दो। भगवान को सबसे महत्त्वपूर्ण समय दो। इसका तुम्हें अवश्य ही अच्छा पुरस्कार मिलेगा। जब तुम भगवान से कोई वरदान प्राप्त करने की शीघ्रता में नहीं हो तब तुम्हें यह अनुभव होगा कि भगवान तुम्हारा है। सजगता या अभ्यास द्वारा तुम इसी बिन्दु पर पहुंच सकते हो।

ईश्वर या दैव तुम्हारा है। जब तुम यह जान जाते हो कि तुम पूरे ईश्वरीय सत्ता के ही एक अंश हो, तो तुम उससे कोई मांग करना बन्द कर देते हो। तब तुम जानते हो कि तुम्हारे लिए सब कुछ किया जा रहा है। तुम्हारी देखभाल की जा रही है। मन में शीघ्रता या उतावलापन करना धैर्य की कमी होती है। आलस्य का मतलब आपके क्रिया-कलापों में सुस्ती होती है। इसका सही सूत्र मन में धैर्य और अपने क्रियाकलापों में तेजी होती है।

संसद की गरिमा का दांव पर लगना चिन्ताजनक

ललित गर्ग

संविधान-निमार्ता भीमराव आंबेडकर को लेकर भारतीय संसद में जो दृश्य पिछले कुछ दिनों में देखने को मिले हैं, वे न केवल शर्मसार करने वाले है बल्कि संसदीय गरिमा को धुंधलाने वाले हैं। अंबेडकर को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। दोनों पक्षों ने गुरुवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान हाथापाई भी हुई जिसमें भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि सभी को नियमों का पालन करना पड़ेगा। संसद की मयार्दा और गरिमा सुनिश्चित करना सबकी जिम्मेदारी है। भारतीय संसद के प्रांगण में जिस तरह की अशोभनीय एवं त्रासद स्थिति का उत्पन्न हुई है, वे हर लिहाज से दुखद, विडम्बनापूर्ण और निंदनीय है। आरोप-प्रत्यारोप की वजह से परिवेश ऐसा बन गया है, मानो सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच शुद्ध शत्रुता, द्वेष, नफरत की स्थितियां उग्रतर हो गई हो। और तो और, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार जैसे आरोपों को लेकर पुलिस में मामला दर्ज होना वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है। इन दुखद एवं अशालीन स्थितियों का उपचार न किया गया, तो संसद में काफी कुछ अप्रिय एवं अशोभनीय होने की आशंकाएं बलशाली होगी।

कहना न होगा कि देश की संसद लोकतंत्र के वैचारिक शिखर और देश की संप्रभुता को रेखांकित करने वाला शिखर संस्थान है। इसलिए इसकी गरिमा बनाए रखना सभी सांसदों का मूल कर्तव्य बन जाता है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों से यह अपेक्षा होती है कि वे संसद की गरिमा को भंग न करे, अपना आचरण शुद्ध, शालीन एवं व्यवस्थित रखेंगे और व्यर्थ की बयानबाजी, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार की जगह सार्थक बहस की संभावनाओं को उजागर करें। भारत की परंपरा कहती है कि वह सभा, सभा नहीं, जिसमें शालीनता एवं मयार्दा न हो। वह संसद संसद नहीं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा न करें। वह धर्म, धर्म नहीं, जिसमें सत्य न हो। वह सत्य, सत्य नहीं जो कपटपूर्ण हो। आज संसद में सांसदों का व्यवहार शर्म की पराकाष्ठा तक पहुंच गया है। पूरे देश की जनता ने बड़ा भरोसा जताते हुए अपने प्रतिनिधियों को चुनकर लोकसभा में भेजा है, ताकि वे सांसद के रूप में देश की भलाई के लिए नीति एवं नियम बनाएं, उसे लागू कराएं और जनजीवन को सुरक्षित तथा खुशहाल बनाते हुए देश का विकास करें। संसद की सदस्यता की शपथ लेते समय सांसदगण इन सब बातों को ध्यान में रखने की कसम भी खाते हैं, लेकिन उनकी कसम बेबुनियाद ही होते हुए संसद की मयार्दाओं को आहत कर रही है। बीते कुछ समय से धरना-प्रदर्शन के साथ सड़क पर राजनीतिक दमखम दिखाने वाले नजारे संसद के दोनों सदनों में भी दिखने लगे हैं। भौतिक रूप से छीना-झपटी और हाथापाई की नौबत भी दिखती रही है और विचाराधीन विषय से दूर एक-दूसरे को हीन साबित करना ही उद्देश्य बन गया है।

संसद का मूल्यवान समय बर्बाद हो रहा है, यह इससे स्पष्ट होता है कि पहली लोकसभा में हर साल 135 दिन बैठकें आयोजित हुई थीं। आज स्थिति कितनी नाजुक हो गई है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि पिछली लोकसभा में हर साल औसतन 55 दिन ही बैठकें आयोजित हुईं। नयी लोकसभा की स्थिति तो और भी दुखद एवं दयनीय है। संसद में काम न होना, बार-बार संसदीय अवरोध होना तो त्रासद है ही, लेकिन धक्का-मुक्की तक नौबत पहुंचना ज्यादा चिन्ताजनक है। कोई भी दल हो, किसी भी दल के सांसद हो, उन्हें यह संदेश देने की जरूरत है कि संसद ऐसे किसी संघर्ष का अखाड़ा नहीं है। संसद और संविधान, दोनों ही सांसदों से उच्च गरिमा एवं मयार्दाओं की अपेक्षा करते हैं। संसद देश की आवाजों और दलीलों का मंच है, यह किसी भी प्रकार की शारीरिक जोर-आजमाइश का मंच न बने, इसी में देश की भलाई है, लोकतंत्र की अक्षुण्णता है। सार्थक और उत्पादक संवाद के लिए हर सांसद को संविधान का ज्ञान, संसदीय परंपराओं की जानकारी एवं उनके प्रति प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। दुर्भाग्य से बहुत कम सांसद ही इस ओर ध्यान देते हैं। मुखर प्रवक्ता के रूप में विपक्ष के कई सांसद अक्सर बेलगाम, फूहड एवं स्तरहीन आरोप-प्रत्यारोप दर्ज कराने में जुट जाते हैं। आधी-अधूरी सूचनाओं या गलत जानकारी के साथ विपक्ष के नेता सरकारी पक्ष को आरोपित करने में जुट जाते हैं, बयानों तो तोड़मरोड़ का प्रस्तुत करते हैं। निश्चित ही विपक्ष लगातार अपनी जिम्मेदारी से विमुख होता दिख रहा है। वह सरकार को घेरने और आरोपित करने के उद्देश्य से संसद के कार्य में अक्सर व्यवधान डालता है। लगता है विपक्ष का मकसद यही हो गया है कि संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से न चल सके और सरकार की विफलता दर्ज हो। इस तरह की विपक्ष की बौखलाहट का बड़ा कारण भाजपा की लगातार चमत्कारी जीत है।

सांसदों को समग्रता में सोचना चाहिए कि अगर संसद जोर आजमाइश एवं हिंसा का अखाड़ा होकर बात एफआईआर की राजनीति तक बढ़ेगी, तो संसद का संचालन जटिल से जटिलतर होता जायेगा। संसद में तनाव कोई नई बात नहीं है। तनाव और तल्खी का इतिहास रहा है, पर बहुत कम अवसर ऐसे आए हैं, जब शारीरिक बल का दुरुपयोग देखा गया है। संसद भवन के प्रांगण में ही नहीं, बल्कि देश में कहीं भी सांसदों को ऐसे आमने-सामने नहीं आना चाहिए, जैसे गुरुवार को देश ने देखा है। संसद भवन के प्रांगण में जगह-जगह कैमरे लगे हैं। उन कैमरों की मदद से कम से कम यह तो सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषी कौन है? दुध का दुध एवं पानी का पानी हो और सच सामने आये। सच की जीत हो और झूठ नैस्तनाबूद हो। अगर किसी सांसद के सिर में चोट लगी है, तो यह वैसे भी गंभीर मसला है। भाजपा सांसद सारंगी ने यही बताया है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की वजह से एक व्यक्ति उनसे टकराया और वह गिर गए। ऐसा ही आरोप कांग्रेस ने भी लगाया है। पक्ष-विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप लगेंगे, पर ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि सच सामने आए। यदि सच सामने न आए, तो कम से कम सभी सांसद ऐसी स्थिति फिर न बनने दें, इसके लिये संकल्पित हो।

शीतकालीन सत्र में आंबेडकर के नाम पर संसद के भीतर-बाहर जो कुछ हो रहा है, उससे यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल संसद की गरिमा से जानबूझकर खिलवाड़ करने पर तूले है। यह मानना अविश्वसनीय है कि यह धक्का-मुक्की अनजाने में हुई। राहुल गांधी आक्रामक ढंग से एक महिला सांसद के निकट जाकर उन्हें असहज करना तो बहुत ही शर्मनाक एवं कहीं अधिक फूहड़ है। पता नहीं किसके आरोपों में कितनी सच्चाई है, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि उक्त घटना संसद ही नहीं, देश को भी शर्मिंदा करने वाली है। राजनीति का स्तर इतना नहीं गिरना चाहिए कि वह मयार्दा से विहीन दिखने लगे। ऐसी राजनीति केवल धिक्कार की पात्र होती है। संसद की मयार्दा को तार-तार करने वाली ऐसी घटनाएं सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बढ़ती कटुता का ही नतीजा है, जो देश के हित में नहीं है। पक्ष-विपक्ष के बीच बढ़ती शत्रुता न केवल भारतीय राजनीति बल्कि लोकतंत्र के लिए भी खतरनाक हैं।

दोनों पक्षों के बीच शत्रु भाव कम होने के कोई आसार इसलिए नहीं दिख रहे हैं, क्योंकि ऐसे मुद्दे सतह पर लाए जा रहे हैं, जिनका कोई औचित्य नहीं बनता और जिनका मकसद लोगों को बरगलाना एवं गुमराह करना है। बीते कुछ समय से यह जो भय का भूत खड़ा किया जा रहा है कि संविधान खतरे में है, वह राजनीति के छिछले स्तर का ही परिचायक है। कोई बताये तो संविधान कब और कैसे खतरे में आ गया। संसद में ऐसे विषयों को लेकर सार्थक एवं सौहार्दपूर्ण संवाद हो, वाद-विवाद की जगह कटुता न ले, विमर्श और विचार की गंभीरता से ही लोकतंत्र की शक्ति बढ़ेगी। दलगत पसंद और नापसंद स्वाभाविक है, किंतु उससे ऊपर उठकर रचनात्मक भूमिका निभाने का साहस भी जरूरी है।

वर्ष 2024 मानव त्रासदी का रहा

डॉ. दिलीप चौबे

वर्ष 2024 हिंसा, रक्तपात और मानवीय त्रासदी का रहा। दुनिया में पहले भी संघर्ष और युद्ध होते रहे हैं, लेकिन इस वर्ष बच्चों और महिलाओं सहित निर्दोष नागरिकों की हत्या का जो तांडव हुआ वह पहले कभी देखने को नहीं मिला था। फिलिस्तीन में पूरे गाजा को खंडहर में तब्दील कर दिया गया और लेबनान की राजधानी बेरुत में अंधाधुंध बमबारी की गई। पूरी दुनिया संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं तमाशा देखती रहीं। इस्त्राइल पर हमास के हमले के जवाब में इस्त्राइल ने जो सैनिक कार्रवाई की उसे आत्मरक्षा की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। भारत के खिलाफ पाकिस्तान ने जिस तरह की आतंकवादी वारदात को अंजाम दिया उसके जवाब में प्रतिशोध की ऐसी कार्रवाई कभी नहीं की गई। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई हमले में केवल आतंकवादी अड्डों को निशाना बनाया गया था। दूसरी ओर इस्त्राइल ने गाजा में मनमाने तरीके से नरसंहार किया और अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने

उसे समर्थन और सहयोग दिया। इतिहास में इसे वियतनाम जैसी मानवीय त्रासदी के रूप में दर्ज किया जाएगा। संघर्ष के दूसरे मोर्चे यूक्रेन में हालात अनिश्चित हैं, लेकिन यह आशा बनती है कि अगले साल युद्ध विराम हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद रूस और यूक्रेन वार्ता की मेज पर लौट सकते हैं, लेकिन नये प्रशासन के कायम होने में अभी एक महीने का समय है। यूक्रेन और अमेरिका में युद्ध पर आमादा कुछ ऐसी ताकते हैं जो इस अवधि में कोई दुस्साहस कर सकती हैं। अभी हाल में यूक्रेन की खुफिया एजेंसियों ने मास्को में एक वरिष्ठ रूसी जनरल की हत्या कर दी। इसके बावजूद रूस ने यूक्रेन के खिलाफ कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की। अगले 30 दिनों में यूक्रेन की ओर से किसी नई वारदात को अंजाम दिए जाने की पूरी आशंका है। डोनाल्ड ट्रंप अपने चुनाव अभियान के दौरान यह ऐलान कर चुके हैं कि वह 24 घंटे के अंदर यूक्रेन-रूस युद्ध समाप्त करा देंगे। यह काम आसान नहीं है, लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को यदि इस बात का स्पष्ट आभास हो जाए कि अब उन्हें पश्चिमी देशों का समर्थन नहीं मिलेगा तो वह वार्ता की मेज पर आ सकते हैं। रूस युद्ध में हासिल किए गए यूक्रेनी भू-भाग किस सीमा तक और किस शर्त पर खाली करता है, यह वार्ता पर निर्भर है। वर्ष 2024 में दो लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष सरकारों का पतन हुआ। बांग्लादेश में छात्रों को मोहरा बनाकर इस्लामी कट्टरपंथियों ने शेख हसीना की सरकार को बेदखल कर दिया। अमेरिका और यूरोपीय देशों ने पूरे घटनाक्रम में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा अपने पसंदीदा मोहम्मद युनूस को प्रशासक पद पर काबिज करा दिया। कहने के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता युनूस एक उदारवादी और लोकतंत्र समर्थक शख्सियत हैं, लेकिन बांग्लादेश में आज उनकी भूमिका एक कठपुतली जैसी है जो इस्लामी कट्टरपंथियों और सेना के इशारे पर नाच रही है। बांग्लादेश में यदि आगामी दिनों में कोई सकारात्मक बदलाव नहीं आया तो वहां की भावी पीढ़ियां पाकिस्तान सेना के अत्याचार और अपने मुक्ति संघर्ष के इतिहास को भूल जाएगी।

पश्चिम एशिया में सीरिया में एक दूसरी धर्मनिरपेक्ष सरकार का पतन हुआ। इतना ही नहीं एक संगठित देश के रूप में सीरिया का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया। बांग्लादेश और सीरिया के घटनाक्रम में काफी समानता है। क्षेत्रीय राजनीति की दृष्टि से सीरिया का घटनाक्रम इस्लामी जगत में शियाझसुन्नी वैमनस्य और शक्ति संघर्ष को उजागर करता है। यह आने वाले दिनों में ईरान और इस्त्राइल ही नहीं बल्कि पड़ोसी सुन्नी देश के साथ संघर्ष में भी तब्दील हो सकता है।

वर्ष 2024 में भारत की विदेश नीति अपनी संतुलनकारी नीतियों के जरिए राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा में सफल रही। साल के अंतिम महीने में भारत और चीन संबंध पटरी पर आते नजर आए। अगले साल के प्रारंभ में ही रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारतीय यात्रा से दोनों देशों के परंपरागत संबंधों में नई गति आने की संभावना है। विश्व राजनीति नये साल में क्या रूप लेती है, यह बहुत कुछ अमेरिका के ट्रंप प्रशासन पर निर्भर करेगा। दुनिया में नई शक्ति केंद्र उभरने के बावजूद यह हकीकत है कि अमेरिका फिलहाल दुनिया में युद्ध या शांति की दृष्टि से मुख्य ताकत है।

आज का मुद्दा समाचार पत्र का प्रत्येक अंक मां गंगा और सिद्ध पीठ बाबा बालक नाथ मंदिर सेक्टर 62 नोएडा के चरणों में समर्पित : स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं संपादक मनोज वत्स द्वारा वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रित करा कर मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित किया मुख्य संपादक के.जी.शर्मा **RNI.NO.UPHIN/2011/37197,** 9310549614
किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

पीसीएस परीक्षा जनपद के 21 परीक्षा केंद्रों पर हुई आयोजित

आज का मुद्दा

आज का मुद्दा (आशीष कुमार) बुलंदशहर : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा रविवार को आयोजित पीसीएस परीक्षा जनपद के 21 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित कराई जा रही है। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराया जाने के लिए चल रही परीक्षा का जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह ने खुर्जा नगर में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सीसीटीवी कंट्रोल रूम से कक्षों में लगे सीसीटीवी कैमरे का भी अवलोकन करते हुए आयोजित हो रही परीक्षा को देखा। केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्वक हो रही है। केंद्रों पर आयोग के निदेर्शानुसार सकुशल परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए पर्याप्त पुलिस बल एवं व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी खुर्जा दुर्गेश सिंह उपस्थित रहे।

रेल यात्री कृपया ध्यान दें!

कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ियां

आगामी कुम्भ मेला–2025 के मद्देनजर, रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियाँ नीचे दी गई समय-सारणी के अनुसार चलाई जाएंगी:-

02417/02418 सूबेदारगंज - दिल्ली जं. - सूबेदारगंज सुपरफास्ट कुम्भ विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन) — 34 फेरे

रेलगाड़ी सं. 02417 आगमन	रेलगाड़ी सं. 02417 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 02418 आगमन	रेलगाड़ी सं. 02418 प्रस्थान
---	21:35	सूबेदारगंज	19:40	---
08:55	---	दिल्ली जं.	---	09:30

चलने के दिनः 02417 सूबेदारगंज से प्रत्येक शुक्रवार एवं शनिवार को दिनांक 03.01.2025 से 28.02.2025 तक और **02418 दिल्ली जं.** से प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को 04.01.2025 से 01.03.2025 तक

सीनः प्रथम वाता सह 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य

ठहरावः फ़तेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा, टूंडला एवं अलीगढ स्टेशन

04145/04146 सूबेदारगंज - दिल्ली जं. - सूबेदारगंज सुपरफास्ट कुम्भ विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 18 फेरे

Train No. 04145 ARR.	Train No. 04145 DEP.	स्टेशन	Train No. 04146 ARR.	Train No. 04146 DEP.
---	21:35	सूबेदारगंज	19:40	---
08:55	---	दिल्ली जं.	---	09:30

चलने के दिनः 04145 सूबेदारगंज से प्रत्येक गुरूवार को दिनांक 02.01.2025 से 27.02.2025 तक और **04146 दिल्ली जं.** से प्रत्येक शुक्रवार को 03.01.2025 से 28.02.2025 तक

सीनः प्रथम वाता, 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य

ठहरावः फ़तेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा, टूंडला एवं अलीगढ स्टेशन

04111/04112 प्रयागराज जं.-प्रयागराज जं. अनारक्षित कुम्भ विशेष रिंग रेल — 94 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04111 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04111 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04112 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04112 प्रस्थान
---	06:00	प्रयागराज जं.	21:00	---
11:15	11:20	जौनपुर	13:50	13:55
18:50	---	प्रयागराज जं.	---	06:30

चलने के दिनः 04111/04112 प्रयागराज जं. से दिनांक 10.01.2025 से 28.02.2025 (28, 29 एवं 30.01.2025 को छोड़कर) तक।

ठहरावः प्रयागराज रामबाग, झूँसी, हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., मड़ियाहूँ, जफराबाद जं., शाहगंज जं., अकबरपुर, गोशाईगंज, अयोध्या, अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर , माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., मऊ आइमा, फाफामऊ जं. एवं प्रयाग स्टेशन।

04113/04114 प्रयागराज जं.-प्रयागराज जं. अनारक्षित कुम्भ विशेष रिंग रेल — 94 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04113 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04113 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04114 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04114 प्रस्थान
---	17:30	प्रयागराज जं.	08:00	---
22:55	23:00	जौनपुर	01:05	01:10
07:45	---	प्रयागराज जं.	---	17:45

चलने के दिनः 04113/04114 प्रयागराज जं. से दिनांक 10.01.2025 से 28.02.2025 (28, 29 एवं 30.01.2025 को छोड़कर) तक।

ठहरावः प्रयागराज रामबाग, झूँसी, हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., मड़ियाहूँ, जफराबाद जं., शाहगंज जं., अकबरपुर, गोशाईगंज, अयोध्या, अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर , माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., मऊ आइमा, फाफामऊ जं. एवं प्रयाग स्टेशन।

04210/04209 प्रयागराज संगम-जौनपुर-प्रयागराज संगम अनारक्षित कुम्भ विशेष रिंग रेल — 66 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04210 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04210 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04209 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04209 प्रस्थान
---	11:15	प्रयागराज संगम	17:15	---
14:00	---	जौनपुर	---	14:15

चलने के दिनः 04210 प्रयागराज संगम से और **04209 जौनपुर** से दिनांक 01.01.2025 से 10.01.2025, 17.01.2025 से 26.01.2025, 06.02.2025 से 09.02.2025 एवं 15.02.2025 से 23.02.2025 तक

ठहरावः प्रयाग, फाफामऊ, फूलपुर, जंघई एवं मड़ियाहूँ, स्टेशन

08251/08252 रायगढ़ जं.-वाराणसी-रायगढ़ जं. कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 8251 आगमन	रेलगाड़ी सं. 8251 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 08252 आगमन	रेलगाड़ी सं. 08252 प्रस्थान
---	14:00	रायगढ़ जं.	05:25	---
10:00	---	वाराणसी	---	10:50

चलने के दिनः 08251 रायगढ़ जं. से दिनांक 25.01.2025 (शनिवार) को **और 08252 वाराणसी से** दिनांक 27.01.2025 (सोमवार) को

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहरावः चाँपा जं., बिलासपुर जं., पैन्ड्रा रोड, अनूपपुर जं., शहडोल जं., उमरिया, कटनी जं., मैहर, सतना जं., मानिकपुर जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर और चुनार जंक्शन स्टेशन।

09031/09032 उधना - गाजीपुर सिटी - उधना कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09031 आगमन	रेलगाड़ी सं. 09031 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09032 आगमन	रेलगाड़ी सं. 09032 प्रस्थान
---	06:40	उधना	12:45	---
14:05	14:15	वाराणसी जं.	06:00	06:10
18:05	---	गाजीपुर सिटी	---	00:30

चलने के दिनः 09031 उधना से दिनांक 17.01.2025 एवं 16.02.2025 को और **09032 गाजीपुर सिटी** से दिनांक 19.01.2025 एवं 18.02.2025 को।

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहरावः भरूच, विश्वामित्री, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, शुजालपुर, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, गंज बासौदा, बीना, ललितपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, गोविंदपुरी, फ़तेहपुर, प्रयागराज, मिर्ज़ापुर, चुनार, जौनपुर और औंड़िहार जं. स्टेशन

09403/09404 अहमदाबाद जं. - जंघई - अहमदाबाद जं. कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 18 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09403 आगमन	रेलगाड़ी सं. 09403 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09404 आगमन	रेलगाड़ी सं. 09404 प्रस्थान
---	21:15	अहमदाबाद जं.	18:00	---
03:00	---	जंघई	---	08:30

चलने के दिनः 09403 अहमदाबाद जं. से दिनांक 09, 16, 21.01.2025 एवं 05, 14, 15, 18, 19, 26.02.2025 को और **09404 जंघई** से दिनांक 11, 18, 23.01.2025 एवं 07, 16, 17, 20, 21, 28.02.2025 को।

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहरावः आणंद, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, आगरा किला, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी, फ़तेहपुर और प्रयागराज स्टेशन

01455/01456 पुणे-मऊ जं.-पुणे कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 12 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01455 आगमन	रेलगाड़ी सं. 01455 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 01456 आगमन	रेलगाड़ी सं. 01456 प्रस्थान
---	10:10	पुणे	15:45	---
17:10	17:20	वाराणसी	05:25	05:35
22:00	---	मऊ जं.	---	23:50

चलने के दिनः 01455 पुणे से दिनांक 08, 16, 24.01.2025 एवं 06, 08, 21.02.2025 को और **01456 मऊ जं. से** दिनांक 09, 17, 25.01.2025 एवं 07, 09, 22.02.2025 को।

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहरावः दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, बेलापुर, मनमाड जं., जलगांव जं., भुसावल जं., खंडवा जं., तलवड़िया, छनेरा, खिरकिया, हरदा, बानापुरा, इटारसी जं., पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर जं., कटनी जं., मैहर, सतना जं., मानिकपुर जं., प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, चुनार जं., शाहगंज जं. एवं आजमगढ़ स्टेशन।

09371/09372 डॉ० अम्बेडकर नगर-बलिया-डॉ० अम्बेडकर नगर कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09371 आगमन	रेलगाड़ी सं. 09371 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09372 आगमन	रेलगाड़ी सं. 09372 प्रस्थान
---	13:45	डॉ० अम्बेडकर नगर	05:30	---
14:05	14:15	वाराणसी	06:00	06:10
19:15	---	बलिया	---	23:45

चलने के दिनः 09371 डॉ० अम्बेडकर नगर से दिनांक 22.01.2025, 25.01.2025, 08.02.2025 एवं 22.02.2025 और **09372 बलिया से** दिनांक 23.01.2025, 26.01.2025, 09.02.2025 एवं 23.02.2025 को

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहरावः इंदौर जं., उज्जैन जं., शुजालपुर, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, गंज बासौदा, बीना, ललितपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज जं., मिर्जापुर, चुनार जं., जौनपुर जं., औंड़िहार जं. और गाजीपुर सिटी स्टेशन।

01033/01034 छत्रपति शिवाजी महाराज(टर्मि.)-मऊ जं.-छत्रपति शिवाजी महाराज (टर्मि.) कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 14 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01033 आगमन	रेलगाड़ी सं. 01033 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 01034 आगमन	रेलगाड़ी सं. 01034 प्रस्थान
---	11:30	छत्रपति शिवाजी महाराज (टर्मि.)	14:30	---
17:10	17:20	वाराणसी	05:25	05:35
22:00	---	मऊ जं.	---	23:50

चलने के दिनः 01033 छत्रपति शिवाजी महाराज (टर्मि.) से दिनांक 09, 17, 22, 25.01.2025 एवं 05, 22, 26.02.2025 को और **01034 मऊ जं. से** दिनांक 10, 18, 23, 26.01.2025 एवं 06, 23, 27.02.2025 को

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहरावः दादर, ठाणे, कल्याण जं., इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाड जं., जलगांव जं., भुसावल जं., खंडवा जं., तलवड़िया, छनेरा, खिरकिया, हरदा, बानापुरा, इटारसी जं., पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर जं. , कटनी जं., मैहर, सतना जं., मानिकपुर जं., प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, चुनार जं., शाहगंज जं. एवं आजमगढ़ स्टेशन।

09029/09030 विश्वामित्री-बलिया-विश्वामित्री विशेष रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09029 आगमन	रेलगाड़ी सं. 09029 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09030 आगमन	रेलगाड़ी सं. 09030 प्रस्थान
---	08:35	विश्वामित्री	10:05	---
14:05	14:15	वाराणसी	06:00	06:10
19:00	---	बलिया	---	23:30

चलने के दिनः 09029 विश्वामित्री से दिनांक 17.02.2025 (सोमवार) को और **09030 बलिया से** दिनांक 18.02.2025 (मंगलवार) को

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहरावः वडोदरा जं., गोधरा जं., दाहोद, रतलाम जं., नागदा जं., उज्जैन जं., शुजालपुर, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, गंज बासौदा, बीना, ललितपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज जं., मिर्जापुर, चुनार जं., जौनपुर जं., औंड़िहार जं. और गाजीपुर सिटी स्टेशन।

03409/03410 मालदा टाउन-प्रयागराज रामबाग-मालदा टाउन कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 22 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03409 आगमन	रेलगाड़ी सं. 03409 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 03410 आगमन	रेलगाड़ी सं. 03410 प्रस्थान
---	20:45	मालदा टाउन	14:30	---
13:45	13:50	वाराणसी	22:00	22:10
17:15	---	प्रयागराज रामबाग	---	19:15

चलने के दिनः 03409 मालदा टाउन से प्रत्येक गुरूवार एवं शनिवार को दिनांक 02.01.2025 से 22.02.2025 तक और **03410 प्रयागराज रामबाग से** प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार को दिनांक 03.01.2025 से 23.02.2025 तक

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहरावः न्यू फरक्का जं., बड़हरवा जं., साहिबगंज जं., कहलगाँव, भागलपुर, सुलतानगंज, जमालपुर जं., अभयपुर, किऊल जं., मोकामा, बाढ़, बख्तियारपुर, राजेंद्र नगर, पटना जंक्शन, दानापुर, आरा, बक्सर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, और बनारस स्टेशन

08791/08792 दुर्ग-वाराणसी-दुर्ग कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 08791 आगमन	रेलगाड़ी सं. 08791 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 08792 आगमन	रेलगाड़ी सं. 08792 प्रस्थान
---	13:50	दुर्ग	05:30	---
10:00	---	वाराणसी	---	10:50

चलने के दिनः 08791 दुर्ग से दिनांक 08.02.2025 (शनिवार) को **और 08792 वाराणसी से** दिनांक 10.02.2025 (सोमवार) को

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहरावः रायपुर जं., भाटापारा, उस्लापुर, पैन्ड्रा रोड, अनूपपुर जं., शहडोल जं., उमरिया, कटनी जं., मैहर, सतना जं., मानिकपुर जं., प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर और चुनार जं. स्टेशन।

08253/08254 बिलासपुर - वाराणसी-बिलासपुर कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 08253 आगमन	रेलगाड़ी सं. 08253 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 08254 आगमन	रेलगाड़ी सं. 08254 प्रस्थान
---	08:15	बिलासपुर जं.	10:40	---
10:00	---	वाराणसी	---	10:50

चलने के दिनः 08253 बिलासपुर जं. से दिनांक 22.02.2025 (शनिवार) को **और 08254 वाराणसी से** दिनांक 24.02.2025 (सोमवार) को

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहरावः रायपुर जं., दुर्ग, राजनांदगांव, गोंदिया जं., बालाघाट जं., नैनपुर जं., जबलपुर जं., कटनी जं., मैहर, सतना जं., मानिकपुर जं., प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर और चुनार जं. स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. **139** पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट **https://enquiry.indianrail.gov.in** अथवा **NTES** ऐप देखें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे

आपकी सुविधा–हमारा ध्येय

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

स्याना में भाजपाइयों ने मनाया बीरबल दिवस, निकली प्रभात फेरी

आज का मुद्दा-बुलंदशहर : स्याना भाजपा कार्यकताओं ने बीरबल दिवस मनाते हुए नगर में प्रभात फेरी निकाली। रविवार को भाजपा के मंडल अध्यक्ष संदीप त्यागी के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ता नगर के बाबूजी कल्याण सिंह पार्क पर एकत्रित हुए। जहां से कार्यकताओं ने सतनाम वाहेगुरु एवं साहब जड़ों का बलिदान याद रखेगा हिंदुस्तान आदि बोलते हुए प्रभात फेरी निकाली। वहीं प्रभात फेरी नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण कर गढ़ बस स्टैंड स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु नानक दरबार पहुंची। संदीप त्यागी ने सिख धर्म की स्थापना, गुरु परंपरा एवं सिख धर्म के महान सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए साहिबजादों की वीरता और बलिदान पर प्रकाश डाला। त्यागी ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह के दोनों पुत्र जोरावर सिंह व फतेह सिंह अपनी साहसिकता एवं धर्म निष्ठा के लिए प्रसिद्ध थे। कहा कि दोनों पुत्रों ने अपने पिता के साथ कई युद्ध में हिस्सा लिया और आद्वितीय माधुरी का परिचय दिया। वहीं सरदार तेजिंदर सिंह द्वारा भी साहिबाजादो की शहादत एवं जीवन पर प्रकाश डाला गया। जिसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक सचिन ठाकुर, मृदुल वर्मा, वैभव रस्तोगी, राजेश चौहान, पवन लोधी, संजय श्रोत्रिय, बलजीत सिंह, संदीप अग्रवाल, प्रदीप लोधी व गुरप्रीत सिंह आदि मौजूद रहे। फोटो- स्याना बीरबल दिवस पर प्रभात फेरी निकालते भाजपा कार्यकर्ता।

साइबर अपराध से व्यापारियों को रहना होगा सतर्क : आरके यादव

आज का मुद्दा (आशीष कुमार) बुलंदशहरः स्याना कोतवाली पुलिस द्वारा साइबर क्राइम जागरूकता अभियान के तहत नगर के व्यापारियों को बचाव के लिए जागरूक किया गया। रविवार को नगर के बुगरासी चौराहा स्थित व्यापार संघ के अध्यक्ष राजेश चौहान के प्रतिष्ठान पर साइबर क्राइम निरीक्षक आरके यादव के नेतृत्व में साइबर क्राइम जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आरके यादव ने कहा कि कभी-कभी साइबर क्राइम करने वाले लोग बैंक से बोल रहा हूं कहते हुए एक ओटीपी मांगने का काम करते हैं। कहा कि बैंक कभी भी किसी का ओटीपी नहीं मांगता। इसलिए हम लोगों को अपना ओटीपी किसी के साथ शेयर नहीं करना चाहिए। यादव ने कहा कि साइबर अपराधी बहुत ही चालाकी से काम करते हैं, इसलिए हम लोगों को साइबर अपराधियों की कमर तोड़ने के लिए जागरूक होना पड़ेगा। इस दौरान व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष राजेश चौहान, वैभव रस्तोगी, सौरभ राय, हरिओम वर्मा, मृदुल रस्तोगी, जितेंद्र भारद्वाज, नवीन रस्तोगी, अनुज गोयल, विजय आर्य व सचिन ठाकुर आदि मौजूद रहे।

वसूली प्रमाण पत्र जारी नहीं करने पर नोएडा के डीएम तलब

आज का मुद्दा-नोएडा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वसूली प्रमाणपत्र जारी नहीं करने के मामले में नोएडा के डीएम मनीष कुमार वर्मा को अवमानना नोटिस जारी कर अगली तारीख पर कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल की अदालत ने डॉ. किशोरी रमण चतुर्वेदी की ओर से दाखिल अवमानना याचिका पर दिया है।

रेरा (रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी) ने याची के पक्ष में आदेश जारी कर रियल एस्टेट कंपनी के खिलाफ वसूली का आदेश दिया था। लेकिन, डीएम की ओर से वसूली प्रमाण पत्र जारी न किए जाने पर याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने मामले में डीएम को दो माह में वसूली प्रमाण पत्र जारी करने आदेश दिया। फिर भी रियल एस्टेट कंपनी के खिलाफ वसूली प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया।लिहाजा, इसे अवमानना का प्रथम दृष्टया मामला मानते हुए कोर्ट ने डीएम को स्पष्टीकरण के साथ अदालत इन पेश होने का आदेश दिया है। कोर्ट ने इस यह भी पूछ है कि इस तरह के कितने मामले हैं, जिनमें कार्रवाई नहीं की गई है। अवमानन के बाद लंबित है।

भारतीय किसान यूनियन ऑल इंडिया ने बार एसोसिएशन के अध्यक्ष का किया स्वागत

आज का मुद्दा बुलंदशहर बुलंदशहर में भारतीय किसान यूनियन ऑल इंडिया की एक मीटिंग परशुराम भवन में आयोजित की गई ,जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष आबिद अली ने अपने सभी कमेटी के पदाधिकारी के साथ राष्ट्रीय प्रवक्ता रवींद्र शर्मा को बार एसोसिएशन का अध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं व बधाई दी ,अध्यक्ष बनने से बार एसोसिएशन में एक खुशी की लहर दौड़ गई है वही राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा हमारा भारतीय किसान यूनियन ऑल इंडिया हमेशा आपके साथ खड़ा है और संगठन आपके साथ हर समय तत्पर पर रहेगा उन्होंने संगठन का विस्तार करते हुए नीरज गौतम को जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया, वहीं इसके अलावा एड. नीरज मित्तल और एड जोगिंदर लोधी का माला पहना कर स्वागत किया गया इस अवसर पर काफी तादाद मै कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे

उद्योग व्यापार मंडल ने दूसरे फाउंडेशन से आए गौरव मित्तल का किया स्वागत

आज का मुद्दा बुलंदशहर बुलंदशहर में गौरव मित्तल को अटल फाउंडेशन से सम्मानित होने पर उद्योग व्यापार मंडल (नरेंद्र) ने उनका शॉल उड़ाकर फूल माला पहनकर स्वागत किया, अटल फाउंडेशन एक ऐसी संस्था है जो की समाज में अनेक सामाजिक कार्य एवं समाज सेवा के प्रकल्प चलती है यह संस्था अखिल भारतीय स्तर पर काम करती है संस्था का कार्य क्षेत्र सुदूर अंडमान निकोबार से कश्मीर तक है इसके अतिरिक्त ऐसे लोगों को सम्मानित करती है जो कि राष्ट्र की प्रगति में चाहे वह आर्थिक स्तर पर हो चाहे सामाजिक स्तर पर विशिष्ट कार्य किया हो उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल ने कहा गौरव मित्तल जी हमारे शहर के ऐसे व्यक्ति है जो राजनीतिक क्षेत्र के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं हमें उनका सम्मान करते हुए बहुत हर्ष हो रहा है और ईश्वर से यह प्रार्थना है, गौरव मित्तल समाज में ऐसे ही शुभ कार्य करते रहे, कार्यक्रम में अमित बंसल, अजय अग्रवाल ,अशोक गिरी, रामकुमार गुप्ता ,कौशल अग्रवाल, मनीष अग्रवाल , सहित आदि लोग सम्मिलित हुए

उपखंड अधिकारी स्याना प्रथम के विरुद्ध आज कार्यवाही को लेकर आंदोलन के रूपरेखा की तैयार

आज का मुद्दा बुलंदशहर बुलंदशहर पश्चिमांचल पावर कॉन्ट्रैक्टर वेलफेयर एसोसिएशन बुलंदशहर द्वारा भ्रष्टाचार के आरोपी उपखंड अधिकारी स्याना प्रथम के विरुद्ध आज कार्यवाही को लेकर आंदोलन के रूपरेखा की तैयार बुलंदशहर बरनी पैलेस में की गई बैठक, बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में रहे प्रदेश अध्यक्ष उपखंड अधिकारी प्रथम स्याना द्वारा विष्णुपुरम कॉलोनी की विद्युतकरण के लिए 80 हजार की रिश्वत मांगने एवं 7 माह से कोई कार्रवाई न करने पर ठेकेदारों में भारी रोष देखने को मिला प्रदेश अध्यक्ष जिला अध्यक्ष ने अपने निम्न मांगों को पूरा न करने पर 24 तारीख से किया धरना प्रदर्शन का किया ऐलान इस मीटिंग में मेरठ गाजियाबाद हापुड़ बिजनौर मुरादाबाद आदि जनपदों से संगठन के कार्यकर्ता एवं सम्मानित ठेकेदार उपस्थित रहे इसके साथ-साथ सभी ठेकेदारों ने भ्रष्टाचार को मिटाने और अपने अधिकारों और मांगों को पूरा करने की शपथ भी ली

मजदूर उत्थान समिति के कार्यकताओं ने गृह मंत्री के इस्तीफा की मांग करते हुए सौंपा ज्ञापन

आज का मुद्दा (आशीष कुमार)

बुलंदशहर : स्याना मजदूर उत्थान समिति के कार्यकताओं ने भारत के गृहमंत्री अमित शाह के बयानों की निंदा कर इस्तीफा की मांग करते हुए पुलिस को ज्ञापन सौंपा। रविवार को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम दास गौतम के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ता नगर के आंबेडकर पार्क में एकत्रित हुए। गौतम ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह द्वारा संसद में बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर पर की अशोभनीय टिप्पणी से देश के करोड़ों देशवासियों की भावनाएं आहत हुई हैं। कहा कि गृहमंत्री को नैतिकता के आधार पर तत्काल अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। जिसके बाद मौजूद कार्यकताओं ने इस्तीफा की मांग करते हुए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन कस्बा चौकी इंचार्ज जितेंद्र कुमार को सौंपा। इस दौरान मीना कुमारी, हेमराज सिंह, तरुण कुमार, लोकेश कुमार,अजब सिंह, मोहनलाल गौतम,महेंद्र सिंह,सनी कुमार, अभय कुमार,रेशू गौतम सुमित, ज्ञानेश्वर दयाल,लवकुश व वीरवती गौतम,आदि मौजूद रहे।

हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे?

श्री सीता हरण के बाद हनुमानजी और श्रीराम का मिलन हुआ और हनुमानजी ने श्रीराम को सुग्रीव, जामवंत आदि वानरयूथों से मिलाया। फिर जब लंका जाने के लिए रामसेतु बनाया गया तो श्रीराम ने हनुमानजी को लंका जाने का आदेश दिया, परंतु हनुमानजी ने लंका जाने में अपनी असमर्थता जताई तब जामवंतजी ने हनुमानजी को उनकी शक्तियों की याद दिलाई। परंतु सवाल यह है कि हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे? दरअसल, हनुमानजी को कई देवताओं ने विभिन्न प्रकार के वरदान और अस्त्र-शस्त्र दिए थे। इन वरदानों और अस्त्र-शस्त्र के कारण बचपन में हनुमानजी उधम मचाने लगे थे। खासकर वे ऋषियों के बगीचे में घुसकर फल, फूल खाते थे और बगीचा उजाड़ देते थे। वे तपस्यारत मुनियों को तंग करते थे। उनकी शरारतें बढ़ती गई तो मुनियों ने उनकी शिकायत उनके पिता केसरी से की। माता-पिता में खूब समझाया कि बेटा ऐसा नहीं करते, परंतु हनुमानजी शरारत करने से नहीं रुके तो एक दिन अंगिरा और भृगुवंश के ऋषियों ने कुपित होकर उन्हें श्राप दे दिया कि वे अपने शक्तियों और बल को भूल जाएंगे परंतु उचित समय पर उन्हें उनकी शक्तियों को कोई याद दिलाएगा तो याद आ जाएगी। फिर जब हनुमानजी को श्रीराम का कार्य करना था तो जामवंत जी का हनुमानजी के साथ लंबा संवाद होता है। इस संवाद में वे हनुमानजी के गुणों का बखान करते हैं और तब हनुमानजी को अपनी शक्तियों का आभास होने लगता है। अपनी शक्तियों का आभास होते ही हनुमानजी विराट रूप धारण करते हैं और समुद्र को पार करने के लिए उड़ जाते हैं।

छठी इंद्री क्या होती है, इसे कैसे जाग्रत किया जा सकता है

- छठी इंद्री को अंग्रेजी में सिक्स्थ सेंस कहते हैं। यह क्या होती है, कहां होती है और कैसे इसे जाग्रत किया जा सकता है यह जानना भी जरूरी है। इसे जाग्रत करने के लिए वेद, उपनिषद, योग आदि हिन्दू ग्रंथों में अनेक उपाय बताए गए हैं। नास्त्रेदमस इसी तरह के उपायों से भविष्यवक्ता बने थे।
- मस्तिष्क के भीतर कपाल के नीचे एक छिद्र है, उसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं, वहीं से सुषुम्ना नाड़ी सहस्रकार के जुड़कर रीढ़ से होती हुई मूलाधार तक गई है। इसी नाड़ी के बायीं ओर इड़ा और दायीं ओर पिंगला नाड़ी स्थित है। दोनों के बीच सुप्तावस्था में छठी इंद्री स्थित है।
- यह छठी इंद्री ही हमें हर वक्त आने वाले खतरे या भविष्य में होने वाली घटनाओं का आभास करती रहती है लेकिन कुछ लोग इसे स्पष्ट समझ लेते हैं और कुछ नहीं। यदि आप इसे समझें तो आपके साथ घटने वाली घटनाओं के प्रति ये इंद्री आपको सजग कर देगी।
- छठी इंद्री जाग्रत होने से व्यक्ति में भूत और भविष्य में झांकने की क्षमता आ जाती है। ऐसा व्यक्ति मीलों दूर बैठे व्यक्ति की बातें सुन सकता और उसे देख भी सकता है। दूसरों के मन की बात जान ही नहीं सकता बल्की उनका मन बदल भी सकता है और दूसरों की बीमारी दूर की जा सकती है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार छठी इंद्री कल्पना नहीं, वास्तविकता है, जो हमें किसी घटित होने वाली घटना का पूर्वाभास कराती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के रॉन रेसिक के अनुसार छठी इंद्रिय के कारण ही हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं का पूर्वाभास होता है।
- छठी इंद्री को जाग्रत करने का बहुत ही सरल तरीका है। तीन माह के लिए खुद को परिवार और दुनिया से काटकर आपको योग की शरण में जाना होगा। यम, नियम, प्राणायम और योगासन करते हुए लगातार ध्यान करना होगा।
- प्राणायाम सबसे उत्तम उपाय इसलिए माना जाता है क्योंकि हमारी दोनों भौहों के बीच छठी इंद्री होती है। सुषुम्ना नाड़ी के जाग्रत होने से ही छठी इंद्री जाग्रत हो जाती है। प्राणायम के माध्यम से छठी इंद्री को जाग्रत किया जा सकता है।
- मेस्मेरिज्म या हिप्नोटिज्म जैसी अनेक विद्याएं इस छठी इंद्री को जाग्रत करने का सरल और शॉर्टकट रास्ता है लेकिन इसके खतरे भी हैं। हिप्नोटिज्म को सम्मोहन कहते हैं। सम्मोहन विद्या को ही प्राचीन समय से 'प्राण विद्या' या 'त्रिकालविद्या' के नाम से पुकारा जाता रहा है।
- मन के कई स्तर होते हैं। उनमें से एक है सुक्ष्म शरीर से जुड़ा हुआ आदिम आत्म चेतन मन। यह मन हमें आने वाले रोग या खतरें का संकेत देकर उससे बचने के तरीके भी बताता है। इस मन को प्राणायाम या सम्मोहन से साधा जा सकता है।
- त्राटक क्रिया से भी इस छठी इंद्री को जाग्रत कर सकते हैं। आप बिना पलक गिराए किसी एक बिंदु, क्रिस्टल बॉल, मोमबत्ती या घी के दीपक की ज्योति पर देखते रहिए। इसके बाद आंखें बंद कर ध्यान करें। कुछ समय तक इसका अभ्यास करें। इससे धीरे-धीरे छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी।
- ऐसा कई बार देखा गया है कि कई लोगों ने अंतिम समय में अपनी बस, ट्रेन अथवा हवाई यात्रा को कैंसिल कर दिया और वे चमत्कारिक रूप से किसी दुर्घटना का शिकार होने से बच गए। बस यही छठी इंद्री का कमाल है। आप इसे पहचानें क्योंकि यह सभी संवेदनशील लोगों के भीतर होती है।
- यदि आपको यह आभास होता है कि पीछे कोई चल रहा है या दरवाजे पर कोई खड़ा है। कुछ होनी-अनहोनी होने वाली है या कोई खुशी का समाचार मिलने वाला है तो आप अपनी इस क्षमता पर लगातार गौर करें और ध्यान देंगे तो यह विकसित होने लगेगी। जैसे-जैसे अभ्यास गहराएगा आपकी छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी और आप भविष्यवक्ता बन जाएंगे।

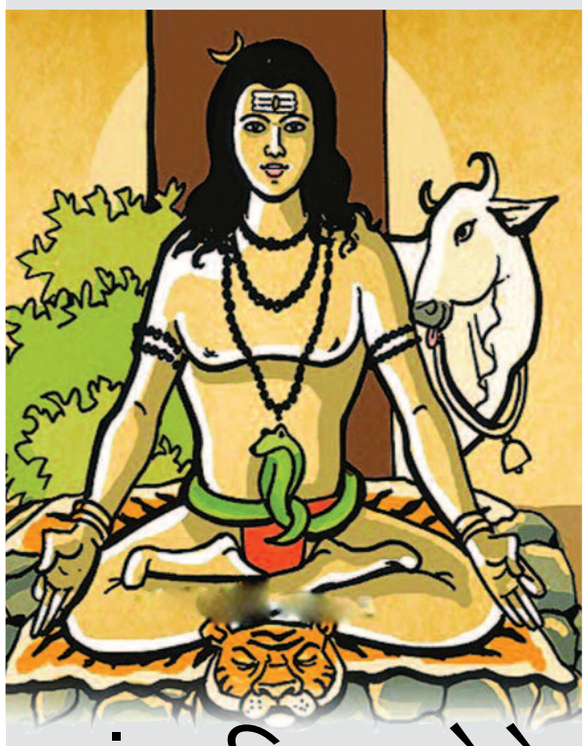

तुरंत सिद्ध होते हैं साबर मंत्र

वैदिक अथवा तांत्रोक्त अनेक ऐसे मंत्र हैं, जिसमें साधना करने के लिए अत्यंत सावधानी की जरूरत होती है। असावधानी से कार्य करने पर प्रभाव प्राप्त नहीं होता अथवा सारा श्रम व्यर्थ चला जाता है, परंतु शाबर मंत्रों की साधना या सिद्धि में ऐसी कोई आशंका नहीं होती। यह सही है कि इनकी भाषा सरल और सामान्य होती है।

माना जाता है कि लगभग सभी साबर साधनाओं और मंत्रों का अविष्कार गुरु गोरखनाथ ने किया है। यह मंत्र बहुत जल्दी ही सिद्ध भी हो जाते हैं और इनकी साधनाएं बहुत ही सरल होती हैं। ओम गुरुजी को आदेश गुरजी को प्रणाम, धरती माता धरती पिता, धरती धरे ना धीरबाजे श्रींगी बाजे तुरतुरि आया गोरखनाथमीन का पुत मुंज का छड़ा लोहे का कड़ा हमारी पीठ पीछे यति हनुमंत खड़ा, शब्द सांचा पिंड काचास्फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।।

इस मन्त्र को सात बार पढ़ कर चाकू से अपने चारों तरफ रक्षा रेखा खींच ले गोलाकार, स्वयं हनुमानजी साधक की रक्षा करते हैं। शर्त यह है कि मंत्र को विधि विधान से पढ़ा गया हो।

साबर मंत्रों को पढ़ने पर ऐसा कुछ भी अनुभव नहीं होता कि इनमें कुछ विशेष प्रभाव है, परंतु मंत्रों का जप किया जाता है तो असाधारण सफलता दृष्टिगोचर होती है। कुछ मंत्र तो ऐसे हैं कि जिनको सिद्ध करने की जरूरत ही नहीं है, केवल कुछ समय उच्चारण करने से ही उसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देने लगता है। यदि किसी मंत्र की संख्या निर्धारित नहीं है तो मात्र 1008 बार मंत्र जप करने से उस मंत्र को सिद्ध समझना चाहिए। दूसरी बात शाबर मंत्रों की सिद्धि के लिए मन में दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति का होना आवश्यक है। जिस प्रकार की इच्छा शक्ति साधक के मन में होती है, उसी प्रकार का लाभ उसे मिल जाता है। यदि मन में दृढ़ इच्छा शक्ति है तो अन्य किसी भी बाह्य परिस्थितियों एवं कुविचारों का उस पर प्रभाव नहीं पड़ता।

9 प्रमुख मणियां किस मणि को धारण करने से क्या होता है

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि इन मणियों को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- घृत मणि की माला धारण कराने से बच्चों को नजर से बचाया जा सकता है।
- स्फटिक मणि को धारण करने से कभी भी लक्ष्मी नहीं रूठती।
- तैल मणि को धारण करने से बल-पौरूष की वृद्धि होती है।
- भीष्मक मणि धन-धान्य वृद्धि में सहायक है।
- उपलक मणि को धारण करने वाला व्यक्ति भक्ति व योग को प्राप्त करता है।
- उलूक मणि को धारण करने से नेत्र रोग दूर हो जाते हैं।
- लाजावर्त मणि को धारण करने से बुद्धि में वृद्धि होती है।
- मासर मणि को धारण करने से पानी और अग्नि का प्रभाव कम होता है।

तेलमणि को धारण करने से होती हैं सभी मनोकामनाएं पूर्ण

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि तेलमणि को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- तेलमणि को उदउक, उदोक भी कहते हैं और अंग्रेजी में टूर्मलीन कहा जाता है।
- लाल रंग की आभा लिए हुए श्वेत, पीत व कृष्ण वर्ण की होती है तेलमणि और स्पर्श करने से तेल जैसा चिकना ज्ञात होता है।
- कहते हैं कि श्वेत रंग की तेलमणि को अग्नि में डालने पर ही पीत वर्ण की तथा कपड़े में लपेट कर रखने पर तीसरे दिन पीत वर्ण की हो जाती है। लेकिन बाहर निकालकर हवा में रखने से कुछ समय बाद ही यह पुनः अपने असली रंग में बदल जाती है।
- इस मणि को धारण करने से भक्ति भाव, वैराग्य तथा आत्म ज्ञान प्राप्त होकर सभी तरह की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।
- कहते हैं कि रोहिणी नक्षत्र, पूर्णिमा या मंगलवार के दिन तेलमणि को जिस खेत में 4-5 हाथ गहरे गड्ढे में खोदकर दबा दिया जाए और मिट्टी से ढंककर सींचा जाए तो सामान्य से बहुत अधिक अन्न उत्पन्न होता है।

इन कारणों से दिखाई देते हैं हमें अच्छे या बुरे सपने

मनोविज्ञान, आयुर्वेद, ज्योतिष और योग में अच्छे या बुरे सपने दिखाई देने के कई कारण बताए गए हैं। जब हम कोई स्वप्न देखते हैं तो जरूरी नहीं कि प्रत्येक सपने का अच्छा या बुरा फल होता है। आओ जानते हैं कि सपने किन कारणों से दिखाई देते हैं।

अधिकतर सपने हमें हमारी दिनचर्या में किए गए कार्य से प्राप्त होते हैं। कार्य का अर्थ हमने जो देखा, सुनना, समझा, इच्छा किया और भोगा वह हमारे चित्त में विराजित होकर रात में स्वप्नों के रूप में दिखाई देता है। यह सब बदले स्वरूप में इसलिए भी होते हैं क्योंकि वे हमारे शरीर में स्थित भोजन और पानी की स्थिति और अवस्था से भी संचालित होते हैं। निम्नलिखित बातों से आप समझ सकते हैं। इन कारणों से दिखाई देते हैं स्वप्न :-

- दृष्ट- जो जाग्रत अवस्था में देखा गया हो उसे स्वप्न में देखना।
- श्रुत- सोने से पूर्व सुनी गई बातों को स्वप्न में देखना।
- अनुभूत- जो जागते हुए अनुभव किया हो उसे देखना।
- प्रार्थित- जाग्रत अवस्था में की गई प्रार्थना की इच्छा को स्वप्न में देखना।
- दोषजन्य- वात, पित्त आदि दूषित होने से स्वप्न देखना।
- भाविक- जो भविष्य में घटित होना है, उसे देखना।

अतः अब आप जान सकते हैं कि आपने जो सपने देंखे हैं वे किस श्रेणी के हैं। इससे आप यह भी अनुमान लगा सकते हैं कि आपका सपना शुभ होगा या अशुभ।

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का क्या है महत्व

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का बहुत महत्व है। सफेद रंग हर तरह से शुभ माना गया है, लेकिन वक्त के साथ लोगों ने इस रंग का मांगलिक कार्यों में इस्तेमाल बंद कर दिया। हालांकि प्राचीनकाल में सभी तरह के मांगलिक कार्यों में इस रंग के वस्त्रों का उपयोग किया जाता था। यह रंग शांति, शुभता, पवित्रता और मोक्ष का रंग है।

लक्ष्मी का वस्त्र : सच तो यह है कि सफेद रंग सभी रंगों में अधिक शुभ माना गया है इसीलिए कहते हैं कि लक्ष्मी हमेशा सफेद कपड़ों में निवास करती है।

मांगलिक वस्त्र : 20-25 वर्षों पहले तक लाल जोड़े में सजी दुल्हन को सफेद ओढ़नी ओढ़ाई जाती थी। इसका यह मतलब कि दुल्हन ससुराल में पहला कदम रखे तो उसके सफेद वस्त्रों में लक्ष्मी का वास हो। आज भी ग्रामीण क्षेत्र में सफेद ओढ़नी की परंपरा का पालन किया जाता है।

यज्ञकर्ता का वस्त्र : प्राचीन काल में जब भी यज्ञ किया जाता था तो पुरुष और महिला दोनों ही सफेद वस्त्र ही धारण करके बैठते थे। पुरोहित वर्ग इसी तरह के वस्त्र पहनकर यज्ञ करते थे। दूसरी ओर आज भी किसी भी सम्मान समारोह आदि में सफेद कुर्ता और धोती पहनने का रिवाज है।

विधावा का वस्त्र : यदि किसी का पति मर गया तो उसे विधवा और किसी की पत्नी मर गई है तो उसे विधुर कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार पति की मृत्यु के नौवें दिन उसे दुनियाभर के रंगों को त्यागकर सफेद साड़ी पहननी होती है, वह किसी भी प्रकार के आभूषण एवं श्रृंगार नहीं कर सकती। स्त्री को उसके पति के निधन के कुछ सालों बाद तक केवल सफेद वस्त्र ही पहनने होते हैं और उसके बाद यदि वह रंग बदलना चाहे तो बेहद हल्के रंग के वस्त्र पहन सकती है। मध्यकाल में हिन्दू धर्म में कई तरह की बुराइयां सम्मलित हुई उसमें एक यह भी थी कि कोई स्त्री यदि विधवा हो जाती थी तो वह दूसरा विवाह नहीं कर पाती थी। हालांकि आज भी उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में विधवा विवाह का प्रचलन है जिसे नाता कहा जाता है। कोई स्त्री पुनर्विवाह का निर्णय लेती है, तो इसके लिए वह स्त्रतंत्र है। आज समाज का स्वरूप बदल रहा है। विधवाएं रंगीन वस्त्र भी पहन रही है और शादी भी कर रही हैं। वेदों में एक विधवा को सभी अधिकार देने एवं दूसरा विवाह करने का अधिकार भी दिया गया है। वेदों में एक कथन शामिल है-

'उदीरष्व नार्यभि जीवलोकं
गतासुमेतमुप शेष एहि।
हस्तग्राभस्य दिधिषोस्तवेदं
पत्युर्जनित्वमभि सम्बभूथ।'

अर्थात पति की मृत्यु के बाद उसकी विधवा उसकी याद में अपना सारा जीवन व्यतीत कर दे, ऐसा कोई धर्म नहीं कहता। उस स्त्री को पूरा अधिकार है कि वह आगे बढ़कर किसी अन्य पुरुष से विवाह करके अपना जीवन सफल बनाए।

चार कारणों से विधवा महिलाओं को सफेद वस्त्र दिए गए। पहला यह कि यह रंग कोई रंग नहीं बल्कि रंगों के अनुपस्थिति है। मतलब यह कि अब जीवन में कोई रंग नहीं बचा। दूसरा यह कि इससे महिला की एक अलग पहचान बन जाती है और लोग उसे सहानुभूति एवं संवेदना रखते हैं। तीसरा यह कि सफेद रंग आत्मविश्वास, सात्विक और शांति का रंग है। इसके साथ ही सफेद वस्त्र विधवा स्त्री को प्रभु में अपना ध्यान लगाने में मदद करते हैं। चौथा कराण यह कि इससे महिला का कहीं ध्यान नहीं भटकता है और उसे हर वक्त इसका अहसास होता है कि वह पवित्र है। पांचवां कारण यह कि यदि महिला के कोई पुत्र या पुत्री है तो वह अपने भीतर नैतिकता और जिम्मेदारी का अहसास करती रहे ताकि वह दूसरा विवाह नहीं करें। दोबारा शादी नहीं करने से पुत्र पुत्रियों के जीवन पर विपरित या प्रतिकुल असर नहीं पड़ता है।

श्री चंडी मंदिर प्रबंद समिति चुनाव को लेकर हुई बैठक, बताया एजेंडा

आज का मुद्दा-हापुड़। शहर के प्रमुख श्री चंडी मंदिर प्रबंध समिति के चुनाव का बिगुल बजने केबाद चुनाव को लेकर शहर में सरगर्मी तेज हो गई है। दोनों गुट चुनाव प्रचारमें दिन रात जुटे हुए हैं। शनिवार की रात को श्री चंडी मंदिर सेवा ग्रुप के प्रत्याशियों ने रेलवेरोड स्थित तुला राम की धर्मशाला औपचारिक घोषणा करते हुए भावी कार्यक्रमोंको मतदाताओं के सामने रखकर उनसे सहयोग और समर्थन की अपील की गई। जिसमेंबड़ी संख्या में आजीवन सदस्यों और शहरवासियों ने भाग लिया। श्री चंडी मंदिर समिति का 12 जनवरी को मतदान होना है। दोनों गुटों मेंएक दूसरे के बीच आगे बढ़ने की होड़ दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। सुबह सेही नगर में दोनों गुटों के प्रत्याशी घर घर और दुकान दुकान जाकर मतदाताओंसे मिलकर अपने लिए समर्थन मांग रहे हैं। श्री चंडी मंदिर के चुनाव का रंगशहर में इस कदर चढ़ा है कि पान की दुकान से लेकर चाय की चौपाल तक इसी चुनावको लेकर चर्चा की जा रही है। अंदरखाने भी चुनाव की राजनीतिक गोटियां बिछाईजा रही हैं। दोनों गुटों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बना यह चुनाव दिनप्रतिदिन रोमांच के चरम को छू रहा है। रेलवे रोड स्थित तुला राम की धर्मशाला में श्री चंडी मंदिर सेवा ग्रुपने एक बैठक का आयोजन किया। जिसमें ललित अग्रवाल छावनी वाले व व्यापारी नेतासंजय अग्रवाल ने विभिन्न पदों पर खड़े प्रत्याशियों और सदस्य पद पर खड़ेप्रत्याशियों का परिचय मतदाताओं और शहरवासियों से कराया। श्रीचंडी मंदिर सेवा ग्रुप के प्रधान पद के प्रत्याशी संजय गुप्ता टायरवाले ने मतदाताओं से अपने ग्रुप के लिए समर्थन मांगते हुए यह

वायदा किया किवह उनके विश्वास पर खरे उतरेंगे और मंदिर में पारदर्शी व्यवस्था औरश्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत न आए इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा। इसकेअतिरिक्त मां चंडी महारानी के नाम पर कहीं अलग जमीन खरीदकर एक कन्याविद्यालय खोलने का भी अपना वायदा किया। इसके अलावा समय समय पर विभिन्नप्रकार के चिकित्सा कैंपों का आयोजन भी कराने की बात उन्होंने कहीं। मंत्री पद के प्रत्याशी राजीव गर्ग दत्तियाने वालों ने कहा कि लंबे समयसे वह शहर के व्यापारियों के बीच रहे हैं तथा हमेशा उनके लिए संघर्ष कियाहै। यदि मतदाताओं का आशीर्वाद मिला तो मंदिर के चहुंमुखी विकास के लिए अपनायोगदान देंगे। बैठक में शहर की कई संस्थाओं में अपना योगदान देने वालेविजय कुमार गोयल भट्टे वाले, योगेंद्र कुमार मुन्नू आलू वाले, रविंद्रगुप्ता बैंक वाले, पंडित गोपाल शर्मा, टुक्की राम गर्ग आदि ने भी अपनेविचार व्यक्त किए तथा कहा कि चुनाव आते जाते रहेंगे, किंतु जो प्रत्याशी भीजीतकर श्रीचंडी मंदिर कार्यकारिणी में जाए उसके लिए मंदिर का विकास एकमात्र लक्ष्य होना चाहिए। यह हैं दोनों ग्रुपों के प्रत्याशी, श्री चंडी मंदिर सेवा ग्रुप के प्रत्याशीप्रधान पद पर संजय गुप्ता (टायर वाले), उप-प्रधान पद पर जय प्रकाश वर्मा (मन्नी सराफ), मंत्री पद पर राजीव गर्ग दत्तियाने वाले, उपमंत्री पद परअंकुर कंसल (दाल मिल वाले), कोषाध्यक्ष पद पर सुनील गर्ग (कात्यानीप्लाईवुड वाले), लेखा निरीक्षक पद पर गौरव अग्रवाल सर्राफ (बिट्टल) कोप्रत्याशी घोषित किया गया है। श्री चंडी धाम सेवा ग्रुप के प्रत्याशीप्रधान पद पर अशोक कुमार छारिया, उप-प्रधान पद पर लोकेश गुप्ता (बब्बूसर्राफ), मंत्री पद पर मोहित जैन (अचारवाले), उप-मंत्री पद पर अमित गोयल (मोनू बाला जी वाले), कोषाध्यक्ष पद पर संजीव विजय गुप्ता (विजयंत वाले), लेखा निरीक्षक पद पर दीपक गर्ग (एडवोकेट) को प्रत्याशी घोषित किया गया है। चुनाव अधिकारी और एसएसवी इंटर कालेज के प्रधानाचार्य विजय कुमार गर्ग ने 25 व 26 दिसंबर को नामांकन पत्रों का वितरण, 27 दिसंबर को नामांकन पत्रजमा करना, 28 दिसंबर को नाम निर्देशन पत्रों का परि-निरिक्षण, 30 दिसंबर कोनामांकन पत्रों की वापसी और इसी दिन अंतिम नाम निर्देशन का प्रदर्शन, 12 जनवरी को मतदान (यदि आवश्यक हो), 12 जनवरी को मतगणना एवं मतगणना के उपरांतनिर्वाचन परिणाम की घोषणा की जाएगी।

ट्रक और बोलेरो पिकअप गाड़ी की हुई जोरदार भिड़ंत, एक की मौत, दो घायल

आज का मुद्दा

हापुड़। जनपद हापुड़ के बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग नौ परबिसमिल्ला होटल के पास रविवार सुबह ट्रक और पीछे से आ रहे बोलेरो पिकअपगाड़ी की जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना में बोलेरो गाड़ी के हेल्पर की मौकेपर ही मौत हो गई, जबकि चालक समेत दो लोग घायल हो गए। घायलों को पुलिस नेउपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकरमामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम जखेड़ा रहमतपुरनिवासी बोलेरो चालक देवा, हेल्पर बलराम और सोनू रविवार सुबह को दिल्ली सेपशुओं का राशन लेकर वापस लौट रहे थे। सुबह करीब पांच बजे जैसे ही वहबाबूगढ़ थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग नौ पर बिसमिल्ला होटल के पासपहुंचे तो आगे जा रहे ट्रक में पीछे से बोलेरो की टक्कर लग गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना मेंबलराम की मौके पर मौत हो गई। जबकि सोनू और देवा घायल हो गए। दुर्घटना कीसूचना मिलते ही बाबूगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और घायल और मृतक के परिजन कोसूचना देते हुए घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। बलराम की मौत की सूचना मिलते ही परिजन में कोहराम मच गया। आनन फानन मेंवह मौके पर पहुंचे। मौके पर जमा परिजनों को पड़ोसी सांत्वना दे रहे थे। थाना प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि मृतक के भाई धर्मेंद्र की ओर सेतहरीर मिली है। ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। घटना का मुकदमा दर्ज करमामले की जांच की जा रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कड़ी सुरक्षा के बीच 09 परीक्षा केंद्रो पर हुई यूपीएससी परीक्षा, सख्त रही निगरानी

आज का मुद्दा-हापुड़। जनपद में रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच जनपद के नौ परीक्षा केंद्रो पर यूपीएससी परीक्षा हुई। यह परीक्षा दो पालियो में हुई। परीक्षार्थियो को सघन तलाशी के बाद ही परीक्षा केंद्रो पर प्रवेश दिया गया। जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा, एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने परीक्षा केंद्रो का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जनपद में रविवार को दो पालियों पर नौ परीक्षा केंद्रो पर यूपीएससी की परीक्षा कड़ी निगरानी में शुरू हुई। जिसमें कुल 3986 परीक्षार्थी भाग ले रहे है। पुलिस ने इस परीक्षा को लेकर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये थे। परीक्षा केंद्रो पर सुबह से ही परीक्षार्थियो के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। परीक्षा शुरू होते ही जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा, पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने जिले के परीक्षा केंद्रो का निरीक्षण किया। इसके अलावा पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्र के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम में भी पहुंचकर स्थिति के बारे में जानकारी ली। सीओ जितेंद्र शर्मा और थाना प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ परीक्षा केंद्रो का निरीक्षण करते रहे। परीक्षा केंद्रों के आसपास संदिग्ध लोगों और वाहनों पर पुलिस की पैनीनिगाह थी। परीक्षा केंद्रों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से भी निगाह रखीजा रहा ता। कंट्रोल में बैठे अधिकारी पल-पल की अपडेट लेते रहे।परीक्षाकेंद्रों पर करीब 150 पुलिस कर्मियों का पहरा लगाया गया है। यूपीएससी परीक्षा में भाग लेने के लिए सड़क और रेलमार्ग से परीक्षार्थीशहर में पहुंचे थे। ऐसे में पुलिस की ओर से परीक्षार्थियों को किसी भीप्रकार की परेशानी ना हो, इसलिए हापुड़ और पिलखुवा में रेलवे स्टेशन और बसस्टैंडों पर हेल्प डेस्क बनाई गई थी। जहां से परीक्षार्थियों को परीक्षाकेंद्रों पर पहुंचने की जानकारी दी जा रही थी। जनपद में कड़ी सुरक्षा के बीच यूपीएससी की परीक्षा चल रही है। परीक्षाकेंद्रों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों परसीसीटीवी कैमरों की मदद से निगाह रखी जा रही है। परीक्षा केंद्रों पर आनेवाले परीक्षार्थियों को सघन चैकिंग के बाद ही परीक्षा केंद्र में प्रवेशदिया गया।

आर्य समाज मंदिर में समाज सुधारक स्वामी श्रद्धानंद का बलिदान दिवस मनाया

आज का मुद्दा-हापुड़। हापुड़ के आर्य समाज मंदिर में रविवार को समाज सुधारक संयासी स्वामी श्रध्दानंद का बलिदान दिवस मनाया गया तथा प्रतियोगिता के विजयी प्रतियोगा पुरस्कृत किये गए। रविवार को प्रातः ब्रह्ह यज्ञ के पश्चात आर्य समाज हापुड़ में स्वामी श्रद्धानंद जी का बलिदान दिवस बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर 21 दिसंबर को आर्य समाज मंदिर में नगर के विभिन्न स्कूलो के छात्र-छात्राओ ने वैदिक ज्ञान प्रशनोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राधिका त्यागी सुपुत्री पंकज त्यागी- विद्यालय श्रीमति ब्रह्मा देवी, वंशिका सैनी सुपुत्री कृष्णा पाल सैनी- विद्यालय आर्य कन्या पाठशाला, द्वितीय स्थान अद्वित्या पाठक सुपुत्री अनूप कुमार पाठक- डी ए वीपब्लिक स्कूल, प्रिया कौरी सुपुत्री राजकुमारझ आर्य कन्या पाठशाला, तृतीय स्थान- खुशी यादव सुपुत्री संजू यादव-आर्य कन्या पाठशाला, हंसिका सुपुत्री मूलचंद- आर्य कन्या पाठशाला, प्रोत्साहन पुरस्कारमीरा चौधरी सुपुत्री अवनीश- ब्रह्मा देवी , खुशी पुंडीरसुपुत्री सत्येंद्र सिंह पुंडीर- श्रीमती ब्रह्मा देवी, ऐश्वर्या-एलएन पब्लिक स्कूल, अनुष्का कश्यप सुपुत्री कमल कुमार कश्यप- शिव बाल मंदिरने प्राप्त किया।नगर के 15 विद्यालयों से 102 प्रतिभागी

शामिल हुए। रविवारको आयोजित भारतीय संस्कृति के उत्थान में आर्य समाज का योगदान विषय परभाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आयुषी -विद्यालय आर्य कन्या पाठशाला, द्वितीय स्थान - अनन्या पाठक -विद्यालय डी ए वी पब्लिक स्कूल , तृतीय स्थानराशि सिंह -विद्यालय श्रीमती ब्रह्मा देवी, प्रोत्साहन पुरस्कार झ नम्र -विद्यालय श्रीमती ब्रह्मा देवी , सानवी झ विद्यालय डी ए वी पब्लिक स्कूल। निर्णायकमंडल में धमार्चार्य धर्मेंद्र शास्त्री, इंद्रप्रस्थ शैक्षणिक संस्थानहापुड़ के डायरेक्टर- डॉ० सती राम,शिक्षाविद महेश वर्मा, प्रतिभाभूषण रहे दोनों प्रतियोगिताओं में स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं कोप्रधान पवन आर्या, महिला प्रधाना बीना आर्या महिला मंत्री प्रतिभा भूषण एवं भारतीय जनता पार्टी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के महामंत्रीडॉ विकास अग्रवाल ने पुरस्कृत किया और प्रतिभागी विद्यालयों तथा प्रतिभागीछात्र-छात्राओं को भी स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

छिजारसी टोल कर्मियो ने कार चालक के साथ की मारपीट

आज का मुद्दा-हापुड़।जनपद हापुड़ के थाना पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र का छिजारसी टोल प्लाजाहमेशा चर्चा में रहता है जहां के टोलकर्मी गुंडागर्दी दिखाते हैं और मारपीटकरते हैं जिससे जुड़ी वीडियो अक्सर सामने आती हैं। अब एक और वीडियो सामनेआई है जिसमें पिलखुवा टोल प्लाजा के टोल कर्मियों द्वारा गुंडागर्दी की जारही है।वीडियो में देखा जा सकता है कि एक टोलकर्मी कार चालक के साथ मारपिटाई कर रहा है। गाड़ी में बैठी महिला हाथ जोड़ रही है लेकिन टोलकर्मीकिसी की सुनने को तैयार नहीं है।रविवार को एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई। वायरल वीडियो में देखाजा सकता है कि टोल टैक्स पर तैनात कर्मचारियों ने कार चालक के साथ मारपीटकी जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। कार में सवार महिला हाथजोड़ती रही लेकिन टोलकर्मी ने किसी की ना सुनी और उन्होंने चालक को पीटाजिससे राहगीरों ने कई सवाल खड़े करते हुए टोल कर्मियों पर कार्रवाई की मांगकी है।

सकुशल परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए लगातार भ्रमणशील रहीं डीएम व एसपी

प्री-पीसीएस परीक्षा केन्द्रों का डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण

आज का मुद्दा-ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा बहराइच 22 दिसम्बर। उ.प्र. लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा.) परीक्षा-2024 की दो पालियों में सम्पन्न होने वाली परीक्षा को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी, शुचितापूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी ने पुलिस अधीक्षक बृंदा शुक्ला के साथ निरन्तर भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लेती रहीं। डीएम व एसपी ने प्रथम पाली में राजकीय आईटीआई कैम्पस नानपारा रोड-बहराइच परिसर में स्थित राजकीय पॉलीटेक्निक-मोहम्मदपुर, राजकीय महिला पॉलीटेक्निक, रिसिया नानपारा एवं राजकीय पॉलीटेक्निक, आसाम चौराहा, बहराइच तथा द्वितीय पाली में महाराज सिंह इण्टर कालेज, महिला पी.जी. कालेज, महाराजा सुहेल स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय तथा स्व. ठाकुर हुकुम सिंह किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय के ब्लाक ए व बी में

स्थापित परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान डीएम व एसपी ने परीक्षा केन्द्रों पर स्थापित कन्ट्रोल रूम में पहुंचकर मॉनीटर स्क्रीन पर लगभग सभी कमरों को जूम कर परीक्षा कक्ष के अन्दर की व्यवस्था को परखा। डीएम ने परीक्षा केन्द्र पर मौजूद केन्द्र व्यवस्थापकों, स्टैटिक व सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि किसी भी दशा में परीक्षा की शुचिता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। सभी सम्बन्धित को यह भी निर्देश दिये गये कि इलेक्ट्रानिक डिवाइस को लेकर पूरी सतर्कता बरती जाय। कन्ट्रोल रूम में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया गया कि परीक्षा कक्षों की निगरानी हेतु कन्ट्रोल रूम की स्क्रीन पर अलग-अलग कक्षों को जूम करके निरन्तर अन्तराल पर देखते भी रहें तथा परीक्षा समाप्त होने पर आयोग द्वारा निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार कापियों को सुरक्षित रखने की कार्यवाही की जाय। केडीसी के निरीक्षण के दौरान डीएम ने चिकित्सा काउण्टर पर मौजूद चिकित्सकों से परीक्षार्थिओं को आवश्यकतानुसार औषधि वितरण के बारे में जानकारी ली।

ग्राम सपनावत में खेत में मिला युवक का शव

आज का मुद्दा-हापुड़। कूपरपुर थाना क्षेत्र के गांव सपनावत में स्थित एक खेत में एक युवक काशव मिला है। शव मिलने की सूचना पर पुलिस और ग्रामीण मौके पर जमा हो गए।जिन्होंने मृतक की शिनाख्त पड़ोस के गांव डहाना निवासी युवक के रूप में की।फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दीहै।जानकारी के अनुसार कूपरपुर थाना क्षेत्र के गांव डहाना निवासी 27 वर्षीयमुनेंद्र मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण करता था। शनिवार की रात कोमुनेंद्र घर नहीं पहुंचा था। जिसके बाद परिजन उसकी तलाश में जुटे हुए थे।रविवार की सुबह पुलिस को गांव सपनावत के किसान अंगद के खेत में शव मिलने कीसूचना मिली। शव मिलने की सूचना पर मौके पर ग्रामीण भी एकत्र हो गए थे।पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर मुनेंद्र के परिजनों को सूचना दी।मुनेंद्र की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया।इस मामले में कूपरपुर थानाध्यक्ष अवनीश कुमार शर्मा ने बताया कि हरबिंदुओं पर मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल शव को कब्जे में लेकरआवश्यक कार्रवाई की जा रही है। मृतक के परिजन को सूचना दे दी है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असल कारणों का पता चल सकेगा।

धौलाना विधायक ने विकास कार्यो का किया शिलान्यास

आज का मुद्दा-हापुड़। जनपद के धौलाना थाना क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी विधायक धर्मेश तोमर ने रविवार को दो स्थानो पर सरकार की योजनाओ के अंतर्गत विकस कार्यो का शिलान्यास किया। जानकारी के अनुसार धौलाना विधान सभा क्षेत्र से भाजपा विधायक धर्मेश तोमर ने रविवार को दो स्थानो पर विकास कार्यो का शिलान्यास किया। विधायक ने गांव वासतपुर में मुख्य मार्ग पर निर्माण कार्य दुर्गपाल के घर से इंद्रपाल के घर तक सी.सी रोड निर्माण तथा रतन के घर से सतेंद्र के घर तक सी.सी. व नाली के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। विधायक ने कहा कि वह क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रहे है और सूबे में डबल इंजन की सरकार केंद्र सरकार के सहयोग से विकास कर रही है। इस मौके पर सतेंद्र सिंह सिसोदिया, रणविजय सिंह, राकेश सिंह, मधुसूधन सिंह, कलवा सिंह, अतुल प्रधान, राजेश सिंह, वीरेंद्र मास्टर, संग्राम सिंह, चमन सिंह, कैलाश सिंह, टक्की सिंह आदि उपस्थित रहे थे।

वरिष्ठ भाजपा नेता की माताजी का हुआ निधन

आज का मुद्दा-हापुड़। भाजपा उत्तर प्रदेश एवं क्षेत्रीय महामंत्री डॉ. विकास अग्रवाल की माता जी सत्यबाला अग्रवाल आज रविवार को अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके गोलोक गमन कर गई है। उनका अंतिम संस्कार हेतुनिज निवास ज्ञानलोक हापुड़ से सोमवार प्रात 09 बजे बृजघाट को प्रस्थान करेगी। उनके निधन पर नगर केव्यापारियों, समाजसेवियों, भाजपाइयों ने दुख व्यक्त करते हुए शोक व्यक्तकिया। जानकारी के अनुसार बता दे कि अत्यंत दुःखद मन से सूचित कर रहे है कि डॉ विकास अग्रवाल क्षेत्रीय महामंत्री भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं जिला प्रभारी जनपद शामली, पूर्व जिला अध्यक्ष, भाजपा जनपद हापुड़ की पूजनीय माताजी सत्यबाला अग्रवाल धर्मपत्नी स्व. रामौतार अग्रवाल (विकास ऑटोमोबाइल) अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके आज रविवार को गोलोक गमन कर गई है। बता दे कि उनकी अंतिम यात्रा निज निवास, ज्ञानलोक, हापुड़ से सोमवार प्रात 09 बजे बृजघाट के लिए प्रस्थान करेगी। व्यापारियों समाजसेवी व भाजपा नेताओं ने भाजपा नेता डॉ. विकास अग्रवाल की माता जी के निधन पर शोक व्यक्त कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए भाजपा व पदाधिकारी उनके निवास पर पहुंचने लगे है।

ग्रेनो मोटिवेशनल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप का आयोजन

आज का मुद्दा-नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में रविवार को ग्रेनो रोलर स्केटिंग स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से तीसरी ग्रेनो मोटिवेशनल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले से अंडर-4 से अंडर-16 वर्ग में करीब 250 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इसमें क्वांड, इनलाइल, टॉय इनलाइन व एडजस्टेबल कैटेगरी में बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया। जिला रोलर स्केटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष आकाश रावल ने बताया कि जिले के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ग्रेनो मोटिवेशनल रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इससे स्केटिंग के गुर सीखने वाले खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में खेलने का प्रोत्साहन मिलेगा।

एयरपोर्ट पर मिलने वाले रोजगारों के लिए युवाओं को करेंगे तैयार

आज का मुद्दा-नोएडा। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा की ओर से 27 और 28 फरवरी को शहीद विजय सिंह पथिक की जयंती मनाएगी। दो दिवसीय कार्यक्रम में कुल चार सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसमें जेवर एयरपोर्ट पर मिलने वाले रोजगारों के लिए युवाओं और महिलाओं को जागरूक किया जाएगा। यह जानकारी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशवीर सिंह और कार्यकारी अध्यक्ष हरिशचंद्र भाटी ने स्वर्ण नगरी में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने शहीद विजय सिंह पथिक के जीवन पर प्रकाश डाला। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

प्रेमी ने प्रेमिका की चाकू मारकर की हत्या, गिरफ्तार

आज का मुद्दा-नोएडा। थाना बादलपुर क्षेत्र में एक युवती की हत्या करने वाले आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की है।

पुलिस को दी शिकायत राजेश कुमार ने बताया कि वीरेंद्र ने उसकी बेटी राखी की चाकू गोदकर हत्या कर दी। घटना 21 दिसंबर की है। पुलिस ने पिता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपी वीरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी कल्दा पुलिया से पकड़ा है। आरोपी मूलरूप से टोमड़ी थाना औरंगाबाद बुलंदशहर का रहने वाला है। वर्तमान में आरोपी राहुल विहार थाना विजय नगर गाजियाबाद में रह रहा था। पुलिस के मुताबिक 22 वर्षीय राखी पुत्री राजेश कुमार निवासी सत्यम रेजीडेंसी कालोनी छपरौला थाना बादलपुर और वीरेन्द्र में पिछले करीब 6 साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। 21 दिसंबर वीरेन्द्र लड़की के घर आया था, उस समय घर पर लड़की की मां व दादी मौजूद थी। इस बीच राखी और वीरेन्द्र में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। गुस्साए वीरेन्द्र ने राखी को चाकू मारकर घायल कर दिया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने राखी को मृत घोषित कर दिया।

केरल में जल विद्युत परियोजनाओं के साथ सौर ऊर्जा को भी दी जाएगी गति

चंडीगढ़ । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास विजन को केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल साकार कर रहे हैं। देश के हरके राज्य में पहुंचकर खुद विकास का रोडमैप तैयार कर रहे हैं। उत्तर से लेकर दक्षिण और पूवर्ती राज्यों में केंद्रीय परियोजनाओं को गति देने के बाद रविवार को केरल पहुंचे। केरल में वामपंथी दलों की साझा सरकार है, परंतु मनोहर लाल ने सबका विकास विजन के तहत राज्य में केंद्रीय परियोजनाओं को रफ्तार देने की नई पहल की है।

समुद्र तट के दक्षिण-पश्चिमी राज्य केरल में पन बिजली के साथ सौर ऊर्जा का अच्छा खासा स्कोप है। लिहाजा, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने अधिकारियों को सौर ऊर्जा की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों के विकास और बुनियादी सुविधाओं को मजबूती देने को लेकर भी अधिकारियों को योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए। यहां पर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने केंद्रीय परियोजनाओं की समीक्षा की। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने केरल के ऊर्जा मंत्री के कृष्णनकुट्टी और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ राज्य में जल विद्युत और ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं को बढ़ावा देने का रोडमैप तैयार किया है।

ऊर्जा परियोजनाओं में एनटीपीसी पीपीए को मजबूत करने और एचवीडीसी प्रणालियों को अनुकूलित करने के वित्तीय सहयोग पर चर्चा हुई। इसके साथ ही केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने केंद्र सरकार की परियोजनाओं को गति देने के भी निर्देश दिए, जिसमें पीएमएवाई-यू 2.0, अमृत, एसबीएम 2.0 और इलेक्ट्रिक बस की शुरूआत शामिल है।

खास बात यह है कि केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की और ऊर्जा एवं शहरी विकास परियोजनाओं पर चर्चा की। यही नहीं उन्होंने केरल राज्य के विकास को लेकर केंद्रीय मंत्री से नए प्रोजैक्टों का शुरू करने का आग्राह भी किया। वहीं, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शहरी विकास के साथ ऊर्जा की परियोजनाओं को बढ़ावा देने और

बुनियादी ढांचे की मजबूती के सहयोग का आश्वासन दिया। मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि केरल में शहरी विकास और ऊर्जा परियोजनाओं को तेजी में केंद्र सरकार की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा।

फरीदाबाद में प्रेमी संग मिलकर पति को उतारा मौत के घाट

फरीदाबाद-शहर में हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां पर एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। पति को महिला के नाजायज संबंधों के बारे में पता चल गया था। इसलिए महिला ने पति को रास्ते से हटाने के लिए उसकी हत्या का प्लान बनाया। महिला के प्रेमी ने पहले उसके पति को शराब पिलाई। फिर पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को पहाड़ी पर ले जाकर पत्थर के नीचे दबा दिया। पति की मौत के बाद महिला अपने प्रेमी संग फरार हो गई। पुलिस ने अधजली अवस्था में युवक के शव को बरामद कर लिया है। मामल दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। मृतक की पहचान फरीदाबाद के थाना धोज इलाका निवासी तैय्यब के रूप में हुई। मृतक तैय्यब की बहन शबनम ने बताया है कि उसके भाई की शादी 12 साल पहले पाखल गांव की रहने वाली अनीशा के साथ हुई थी। उसके 2 बच्चे भी हैं। शबनम का कहना है कि वर्षों से अनीशा पति तैय्यब के साथ अपने मायके में ही रहती थी। इसी दौरान उसका एक रवि नाम के लड़के से अफेयर हो गया। उसके रवि के साथ अवैध संबंध थे। जब इसका पता तैय्यब को चला तो उसने अनीशा से कहा कि अब वह यहां नहीं रहेंगे। मृतक की बहन का कहना है कि तैय्यब ने अनीशा से मां के पास चलकर रहने को कहा, लेकिन अनीशा नहीं मानी। इसके बाद लगभग 6 सालों से अनीशा तैय्यब से अलग रह रही थी। हालांकि, रवि और अनीशा के संबंध बने रहे। शबनम ने बताया कि बीते सोमवार को रवि ने तैय्यब को फोन कर पाखल टोल के पास बुलाया था। फिर उसे 2 अन्य साथियों के साथ रवि ने शराब पिलाई। इसके बाद उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। मारने के बाद उसके शव को जला दिया और पत्थरों में दबाकर फरार हो गए। 6 दिन बाद शनिवार को तैय्यब का शव मिला है।

गौशाला व अस्पताल बनाकर सरकार को दान करना चाहता है दादरी का रिटायर्ड सूबेदार, सीएम को लिख चुका पत्र

चरखी दादरी । मौजूदा समय में देखने को मिलता है जमीन के छोटे से टुकड़े के लिए अपनों का खून कर दिया जाता है। यहीं नहीं जमीन के लिए अपने ही अपनों के खिलाफ कोर्ट में लड़ाई लड़ते मिलेंगे, लेकिन इन सब से हटकर चरखी दादरी जिले के बिलावल निवासी रिटायर्ड सूबेदार सुमेर सिंह अपनी कष्ट कमाई से खरीदी गई 8 एकड़ जमीन को जनसेवा व गौसेवा के लिए दान करना चाहते हैं। इसके लिए बकायदा उन्होंने हरियाणा सरकार को रजिस्टर्ड पत्र व ई-मेल भेजा है। बस अब उन्हें वहां से उत्तर का इंतजार है उसके बाद आगामी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। रिटायर्ड सूबेदार सुमेर सिंह ने दस्तावेज दिखाते हुए बताया कि वह 25 साल सेना में सेवाएं देने के बाद 1999 में सूबेदार के पद से रिटायर्ड हुए थे। उसके बाद से वे जयपुर में रहते हैं और समाज सेवा को अपनाया। बाद में ग्रामीणों के आह्वान पर गांव बिलावल में भी समाज हित में अपना योगदान शुरू किया। वे अपने स्वर्गीय माता-पिता के नाम से गांव में अस्पताल व गौशाला बनाकर सरकार को दान करना चाहते हैं। जिसके लिए उन्होंने पीएम व सीएम के नाम रजिस्टर्ड पत्र भेजा है। उन्होंने बताया कि 24 सितंबर 2024 को पत्र रजिस्टर्ड डाक से सीएम को भेजा था उसके बाद से सीएमओ कार्यालय से उनके पास फोन भी आ चुका है। जल्द ही सीएम से मिलकर इस पर विचार-विमर्श कर प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे।

सीएम से मिलकर करेंगे एग्रीमेंट : सुमेर सिंह

सुमेर सिंह ने बताया कि वे सीएम से मिलकर अपनी शर्तें उनके समक्ष रखेंगे और उनका एग्रीमेंट करवाना चाहता हैं। उन्होंने कहा कि उनकी शर्त है कि वे अपनी जमीन पर अस्पताल का भवन बनाकर सरकार को सौंप देंगे लेकिन उस अस्पताल की आगे की देखरेख सरकार करे। सरकार उसमें स्टाफ उपलब्ध कराएं और उपचार में लिए आने वाले लोगों से पांच रुपये पंजीकरण फीस से अधिक ना ली जाये। इसके अलावा अस्पताल का नाम उनके पिता देशराम व माता अणचाई के नाम पर हो।

बेटी बचाने के लिए भी गांव में चलाई मुहिम

सुमेर सिंह ने हरियाणा में लिंगानुपात को देखते हुए बेटी बचाने के लिए भी मुहिम चलाई। इसके लिए उन्होंने अपने गांव में लड़की जन्म पर 5100 रुपये की एफडी करवाई हैं। इसके अलावा लड़की के विवाह अवसर पर भी उन्होंने प्रोत्साहन राशि कन्यादान के रूप में दी।

सास को खौफनाक मौत देने वाला आरोपी दामाद गिरफ्तार, पूर्व पत्नी के प्रेमी को सौंपा था शव

सोनीपत । अपराधी कितना भी शातिर क्यों ना हो। पुलिस की नजरों से नहीं बच सकता। सोनीपत जिले के सेक्टर-3 स्थित ऑटो मार्किट में बीती 13 दिसंबर को एक 55 साल की बुजुर्ग महिला की हत्या मामले में आखिरकार सोनीपत सेक्टर 27 थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ली है। आरोपी नानूराम को करीब 10 दिन बाद पुलिस ने कड़ी मेहनत के बाद गिरफ्तार किया है, क्योंकि वह लगातार अपने ठिकाने एक राज्य से दूसरे राज्य में बदल रहा था। आरोपी नानूराम बिहार का रहने वाला है। हाल में वह सोनीपत के विकास नगर में रह रहा था। इसकी पत्नी ममता और उसका तलाक भी हो चुका है। वह ममता और इसके बीच में अनबन की मुख्य वजह अपनी सास चवन्नी देवी को मान रहा था और ममता अब अपने प्रेमी के साथ रह रही थी। जिसकी भनक नानूराम को लग गई और इसने तैश में आकर पहले तो 12 दिसंबर की रात को अपनी सास चवन्नी देवी को बुलाया और उसके साथ झगड़ा किया। वह यहां तक नहीं रुका, उसने रात को अपनी सास को बाइक पर बिठाया और ऑटो मार्किट में ले जाकर गर्दन पर तेजधार हथियार से वार कर मौत के घाट उतार दिया। फिर उसकी गर्दन को काटकर अपनी पत्नी के प्रेमी को सौंप कर फरार हो गया। अब पुलिस ने नानूराम को गिरफ्तार कर लिया है और इससे पूछताछ की जा रही है।

गोहाना में आश्रम में सेवा के लिए आया व्यक्ति लापता, एक सप्ताह के बाद भी नहीं लगा सुराग

गोहाना । गोहाना के धनाना गांव स्थित आश्रम से 13 दिसंबर की रात के समय व्यक्ति अचानक गायब हो गया। वह आश्रम में अपने ससुर के साथ रह रहा था। बीड़ी ज्यादा पीने का आदी होने तथा मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के चलते परिवार ने उसे सेवा के लिए आश्रम में छोड़ रखा था। पुलिस ने उसके भाई के बयान पर बरोदा थाने में केस दर्ज कर लिया है। कैथल जिले के कलायत क्षेत्र के गांव रामगढ़ पांडवा के जरनैल सिंह पुत्र गजे सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि वह पांच भाई-बहन हैं। दिलबाग सिंह उसका बड़ा भाई है। वह दिमागी तौर पर कुछ बीमार है। साथ में उसे ज्यादा बीड़ी पीने की लत भी है। जरनैल का कहना है कि ऐसे में परिवार ने उसे धनाना गांव के एक आश्रम में सेवा के लिए छोड़ दिया था। इसी आश्रम में उसी के साथ उसका ससुर सतीश भी रहता है। 13 दिसंबर की रात के समय दिलबाग अचानक गायब हो गया। सुबह उसके न मिलने पर उसके लापता होने की जानकारी मिली। फिलहाल पुलिस लापता व्यक्ति की तलाश में जुटी हुई है।

'उल्टा चोर कोतवाल को डाटें'. राहुल गांधी पर एफआईआर होने पर कुमारी शैलजा का भाजपा पर निशाना

चंडीगढ़/फतेहाबाद । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा का लोकतंत्र और संविधान में कोई विश्वास नहीं रहा है, भाजपा दलित विरोधी है, किसान विरोधी है और नागरिक विरोधी भी है, सरकार आंदोलनरत किसानों से बातचीत करने के बजाए उन पर कहर बरपा रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि संसद परिसर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस सांसदों के साथ भाजपा सांसदों ने धक्का मुक्की की और उल्टा एफआईआर राहुल गांधी के खिलाफ ही दर्ज करवा दी यानि उल्टा चोर कोतवाल को डाटे। लोकसभा अध्यक्ष को इस पर संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करनी चाहिए क्योंकि भाजपा सांसदों ने उनके ही निर्देश का पालन नहीं किया।

वे रविवार को फतेहाबाद में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। सांसद राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम विपक्ष में है और विपक्ष का काम ही जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाना होता है, संसद परिसर में पहले भी विरोध प्रदर्शन होते है जब स्पीकर ने निर्देश जारी किए कि सीढियों पर खड़े होकर कोई प्रदर्शन नहीं होगा, हमने उसका पालन किया जब हम डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष प्रदर्शन कर जा रहे थे तो भाजपा के सांसद पहले से डंडे और पोस्टर लेकर खड़े हुए थे, सत्ता पक्ष ऐसा कर रहा था जो शर्मनाक था। उनका कहना है

कि सत्ता पक्ष के सांसदों ने उनके सांसदों के साथ धक्का मुक्की की, जिसमें हमारे अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे गिर गए थे और आरोप हम पर लगाया जा रहा है, एफआईआर भी हम पर ही दर्ज करवाई गई यानि एक तो चोरी और ऊपर से सीना जोरी। उन्होंने कहा कि भाजपा आज देश में औछी राजनीति कर रही है, सत्ता पक्ष ने स्पीकर की बात तक नहीं मानी ऐसे में स्पीकर को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि संसद परिसर में विपक्षी सांसदों का रास्ता किसने रोका, कौन हाथों में डंडे और पोस्टर लेकर आया था और किसे धक्का दे रहा था सबने देखा है, हालात ये है कि भाजपा का संसदीय प्रणाली और लोकतंत्र में विश्वास नहीं रहा है। अग्रोहा रेल लाइन के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह सवाल हमने उठाया पर जवाब नाकारात्मक मिला, अब भाजपा से पूछों दस साल से उनका राज था, इन दस सालों में उन्होंने क्या किया, अभी तक अधेंरे में रखा हुआ है। उन्होंने कहा कि घग्घर नदी के प्रदूषण का मुद्दा उठाया, गोरखपुर परमाणु संयंत्र का मुद्दा उठाया पर कुछ भी ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा के वायदों पर विश्वास नहीं किया जा सकता क्योंकि वह केवल वायदा करना जानती है, कोई भी वायदा पूरा नहीं किया। अब सिरसा में मेडिकल कालेज को ले लो कई बार शिलान्यास हो चुका है पर निर्माण अभी तक नहीं हुआ, अब नए सीएम ने भी कुछ किया है पर ईट अभी तक नहीं लगी। उन्होंने कहा कि आज किसी भी विभाग में चले जाओ शिकायतकर्ताओं की लाइन लगी हुई है, भाजपा सरकार ने दस साल में क्या किया। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार पर उन्होंने कहा कि सबको उम्मीद थी कि कांग्रेस की सरकार बन रही है लेकिन ऐसा हुआ नहीं। एक सवाल को लेकर उन्होंने कहा कि उनके 09 लोगों को टिकट मिली जिनमें से छह जीते, पार्टी हार को लेकर मंथन कर रही है, कुछ सीटों पर बागी खड़े हुए जिन्हें रोका जा सकता था, अब प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया भी कह चुके है कि 14-15 सीटों पर टिकट वितरण सही नहीं हुआ। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा किसानों के साथ आज तक विश्वासघात करती आई है, सरकार ने दो साल पहले एमएसपी को कानूनी दर्जा देने का वायदा किया था पर क्या हुआ। किसान आमरण अनशन पर बैठा हुआ है पर सरकार के पास किसानों से बातचीत करने का समय तक नहीं है।

अपना बनाकर लूटा: सोनीपत में ठग ने पहले महिला को बनाया बहन, फिर धोखा कर ऐंठ लिए लाखों रुपये

सोनीपत । हरियाणा में आए दिन धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे हैं। ठग नए-नए तरीके से लोगों को झांसे में लेकर ठगी करते हैं। ताजा मामला सोनीपत से सामने आया है जहां जिले में लाखों रुपए की धोखाधड़ी हुई। आरोपी ने महिला को पहले अपनी बहन (धर्म बहन) बनाया और फिर अपनी चिकनी चुपड़ी बातों में फंसाकर उससे 34.50 लाख रुपये ठग लिए। इसके बाद आरोपी फरार हो गया है। पीड़ित महिला ने मामले की शिकायत पुलिस को दी है।

बताया जा रहा है कि महिला के बेटे को विदेश भेजने और रिश्तेदारों को नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी की गई है। आरोपी ने महिला का धर्म भाई बनकर पहले विश्वास में लिया और बाद में नकदी ऐंठ ली। शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि मुरथल निवासी महिला के साथ उसकी सत्संग में जान पहचान हुई थी। उसने उनकी पहचान जींद के गांव मांडी कलां निवासी नरेश से कराई थी। बताया गया था कि वह हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड में कार्यरत है। वह कई युवकों को नौकरी लगवा चुका है और कई को अमेरिका (यूएसए) भिजवा चुका है। उसके बाद आरोपी का उनके घर आना-जाना हो गया। उसने उन्हें धर्म बहन बना लिया। नरेश ने उन्हें कहा था कि कोई युवक ग्रुप डी में या क्लर्क की नौकरी चाहता है तो वह उन्हें नौकरी लगवा सकते हैं। जिस पर उन्होंने अपनी ननद के पोते साहिल को

नौकरी लगवाने के लिए अलग-अलग समय में तीन लाख रुपये दिए। साथ ही अपने जेठ के बेटे अक्षय को ग्रुप डी में लगवाने के नाम पर ढाई लाख रुपये दिए। एक अन्य परिचित सुमित को क्लर्क की नौकरी दिलवाने के लिए तीन लाख रुपये दिए। अन्य परिचित सोहित व मोहित को नौकरी लगवाने के नाम पर सात लाख रुपये दिए गए।

मारने की धमकियां दे रहा आरोपी

इतना ही नहीं बेटे रवि को अमेरिका भिजवाने के नाम पर 19 लाख रुपये दिए गए। वह नरेश को परिचितों को नौकरी लगवाने व बेटे का अमेरिका भेजने के नाम पर कुल साढ़े 34 लाख रुपये दे चुके हैं। महिला का कहना है कि जब काम नहीं हुआ तो उन्होंने रुपये देने का दबाव बनाया था। जिस पर 15 अक्तूबर को आरोपी उनके घर आया था। उसने रुपये देने की बात कही थी। हालांकि अगले दिन सुबह उसने रुपये देने से मना दिया था। साथ ही रुपये मांगने पर मरवाने की धमकी दी थी। पुलिस शिकायत के आधार पर कार्रवाई कर रही है।

शीतलहर से बचाव को लेकर की एडवाइजरी जारी, लोगों से की गई यह अपील

करनाल । शीतलहर (कोल्ड वेव) से बचाव को लेकर सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन की ओर से उपायुक्त उत्तम सिंह ने जारी विशेष एडवाइजरी के तहत आम नागरिकों से शीतलहर व सर्दी से बचाव के लिए सावधानी बरतने की अपील की। इन दिनों जिले में शीतलहर चल रही है। इसी के मद्देनजर उपायुक्त ने कहा कि हम थोड़ी सी सावधानी बरतकर पाले से बच सकते हैं।

शीतलहर व सर्दी से बचने के लिए मौसम पूर्वानुमान के लिए रेडियो/टी.वी./समाचार पत्र जैसे सभी मीडिया प्रकाशन का ध्यान रखें ताकि यह पता चल सके कि आगामी दिनों में शीतलहर की संभावना है या नहीं।सर्दियों लिए पर्याप्त कपड़ों का स्टॉक करें। घर में ठंडी हवा के प्रवेश रोकने के लिए दरवाजों तथा खिड़कियों को ठीक से बंद रखें। फ्लू, नाक बहना/ भरी नाक या नाक बंद जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना आमतौर पर ठंड में लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती हैं। इसलिए इस तरह के लक्षणों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानी बरतें तथा स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों या डॉक्टर से परामर्श करें। जितना हो सके घर के अंदर रहें और ठंडी हवा, बारिश, बर्फ के संपर्क में आने से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। गर्म कपड़े पहनें ताकि ठंड बिल्कुल न लगे। तंग कपड़े खून के बहाव को रोकते हैं, इनसे बचें। खुद को सूखा रखें और पानी में भीगने से बचें। शरीर की गर्माहट बनाए रखने के लिए अपने सिर, गर्दन, हाथ और पैर की उंगलियों को पर्याप्त रूप से ढक कर रखें। गीले कपड़े तुरंत बदलें। हाथों में दस्ताने रखें। फेफड़ों को बचाने के लिए मास्क का प्रयोग करें। सिर पर टोपी या मफलर पहनें, स्वास्थ्य वर्धक भोजन लें।

उपायुक्त ने अतिरिक्त उपायुक्त, सी.ई.ओ. डी.आर.डी.ओ., सभी एस.डी.एम., सी.टी.एम., सिविल सर्जन, तहसीलदार, सभी नायब तहसीलदार, जिला रैडक्रॉस सोसायटी सचिव तथा शहरी स्थानीय निकाय के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, अस्पताल या अन्य सार्वजनिक स्थानों का निरीक्षण करें और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए सामाजिक संगठनों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं से सहयोग लें। इसके साथ ही उपायुक्त ने कृषि तथा किसान कल्याण विभाग व पशुपालन विभाग को भी निर्देश दिए हैं कि वे किसानों, पशुपालकों को सर्दी के मौसम में फसलों, पशुओं आदि के बचाव को लेकर जागरूक करें। रात के समय पशुओं के आवास को सभी तरफ से ढक दें ताकि ठंडी हवाओं के सीधे संपर्क में आने से बचा जा सके। पशुधन और मुर्गी को ठंड के मौसम से बचाव के लिए उन्हें अंदर रखें। सर्दियों के दौरान पशुओं के नीचे सूखे भूसे जैसी कुछ बिस्तर सामग्री डालें। पोल्ट्री में, पोल्ट्री शैड में कृत्रिम प्रकाश प्रदान करके चूजों को गर्म रखें।

गणतंत्र दिवस पर इस बार हरियाणा के साथ दिखेगी पंजाब और चंडीगढ़ की झांकी

चंडीगढ़ । गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर कर्तव्य पथ पर दिखने वाली झांकी में पंजाब की झांकी को चुना गया है। इस बार पंजाब की झांकी का चयन किया गया है, जबकि पिछली बार इसे मंजूरी नहीं मिल पाई थी। पंजाब के अलावा हरियाणा और चंडीगढ़ की झांकी भी इस साल के गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर दिखाई देगी। बता दें कि पिछले साल पंजाब की झांकी को गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर प्रदर्शित करने की अनुमति नहीं दी गई थी, लेकिन इस बार इसे एक बार फिर से सम्मानित किया गया है। यह निर्णय पंजाब के लिए गर्व का पल है, क्योंकि झांकी देश की सांस्कृतिक धरोहर और विविधता का प्रतीक होती है। पंजाब के साथ-साथ हरियाणा और चंडीगढ़ की झांकी भी कर्तव्य पथ पर दिखाई जाएंगी। यह तीनों राज्यों की सांस्कृतिक धरोहर और समृद्धि को दर्शाती हैं। गणतंत्र दिवस पर ये झांकियां न केवल राज्यों की कला और संस्कृति को प्रदर्शित करेंगी, बल्कि देशवासियों को एकता और विविधता का संदेश भी देंगी।

ओमप्रकाश चौटाला के दामन पर दाग की तरह था महम कांड, छोड़नी पड़ी थी सीएम की कुर्सी

चंडीगढ़ । हरियाणा की राजनीति के दिग्गज चेहरों में शुमार इनेलो सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला सुनहरी यादों के साथ हमें अलविदा कह गए हों, लेकिन उनके राजनीतिक सफर में महम कांड एक ऐसा अध्याय के रूप में जुड़ा, जिसने न सिर्फ उनके सफेद दामन पर दाग लगाया बल्कि उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी तक गंवानी पड़ी। पिता की राजनीतिक विरासत को संभालते हुए पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले चौटाला को ये अंदाजा भी नहीं था कि उन्हें छह महीने से भी कम समय में इस्तीफा देना पड़ेगा। आखिर क्या है वो महम कांड, जिसके कारण चौटाला को एक बार नहीं बल्कि तीन बार मुख्यमंत्री की कुर्सी गंवानी पड़ी थी।

साल 1989 में देश में आम चुनाव संपन्न हुए थे। जनता दल ने राजीव गांधी की अगुवाई वाली कांग्रेस की ताकत सरकार को उखाड़ फेंका था। उस दौरान ताऊ देवीलाल 1987 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में प्रचंड जनादेश के साथ बनी अपनी सरकार को आराम से चला रहे थे, लेकिन दिल्ली में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद उनका मन केंद्र की राजनीति की ओर डोलने लगा और उनके कद के हिसाब से उन्हें उप प्रधानमंत्री भी बनाया गया। दिल्ली पहुंचे देवीलाल ने चंडीगढ़ की कुर्सी पर अपने सबसे बड़े बेटे ओमप्रकाश चौटाला को बैठाया, जो उस दौरान राज्यसभा सांसद हुआ करते थे। 2 दिसंबर 1989 वो तारीख थी जब चौटाला परिवार की दूसरी पीढ़ी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाली थी, लेकिन ये राह आगे बहुत कठिन होने वाली थी, क्योंकि ओपी चौटाला को शपथ लेने के छह माह के अंदर विधानसभा का सदस्य चुना जाना जरूरी था। पिता देवीलाल ने अपने हिसाब से सुरक्षित मानी जा रही महम विधानसभा सीट को चुना। महम रोहतक में आता है, जहां देवीलाल ने 1989 के लोकसभा चुनाव में अच्छी जीत दर्ज की थी। हालांकि फिर जो यहां हुआ उसकी शायद ही उन्होंने कल्पना की होगी।

दरअसल महम की खाप पंचायतों ने ओमप्रकाश चौटाला की उम्मीदवारी का विरोध कर दिया। खापों ने कांग्रेस उम्मीदवार आनंद दांगी को अपना समर्थन दे दिया, जिसको लेकर माहौल गरमा गया। उधर चौटाला ने भी अपनी पूरी ताकत झोंक दी। तनाव भरे माहौल में 27 फरवरी 1990 को वोटिंग हुई, जिसमें जमकर बूथ कैप्चरिंग और हिंसा हुई। लिहाजा चुनाव आयोग ने आठ बूथों पर दोबारा वोटिंग कराने के आदेश दिए, जब दोबारा वोटिंग हुई, तो फिर से हिंसा भड़क उठी। चुनाव आयोग ने फिर से चुनाव रद्द कर दिया। 27 मई को फिर से चुनाव की तारीखें तय की गईं, लेकिन वोटिंग से कुछ दिन पहले निर्दलीय उम्मीदवार अमीर सिंह की हत्या हो गई।

अमीर सिंह और आनंद दांगी दोनों एक ही गांव मदीना के थे। बताया जाता है कि चौटाला ने दांगी का वोट काटने के लिए अमीर सिंह को चुनाव में खड़ा करवाया था। इसलिए हत्या का आरोप दांगी पर लगा और पुलिस जब उन्हें गिरफ्तार करने मदीना पहुंची तो भारी बवाल हो गया। पुलिस ने दांगी समर्थकों पर गोली चला दी, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना की चर्चा उस वक्त पूरे देश में हुई थी और केंद्र की जनता दल सरकार को काफी असहज स्थिति का सामना करना पड़ा था। आखिरकार भारी दबाव के बीच ओपी चौटाला को सीएम की कुर्सी छोड़नी पड़ी। वो महज साढ़े पांच माह ही मुख्यमंत्री रह पाए। उनकी जगह बनारसी दास गुप्ता ने ली।

महज पांच दिन के सीएम

महम की घटना के बाद ओपी चौटाला दड़बा हलके से जीतकर विधानसभा पहुंचे। इसके बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री बनारसी दास गुप्ता को हटाकर खुद सीएम बने। 12 जुलाई 1990 को ओपी चौटाला ने दूसरी बार सीएम पद की शपथ ली, लेकिन उनके इस कदम से तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह सहमत नहीं थे। उन्होंने महम केस का हवाला देते हुए कहा कि जब तक इस मामले का निपटारा नहीं हो जाता, ओपी चौटाला को मुख्यमंत्री पद नहीं संभालना

चाहिए। ऐसे में चौटाला को महज पांच दिन बाद ही सीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा। उनकी जगह मास्टर हुकुम सिंह मुख्यमंत्री बने।

15 दिन बाद फिर चली गई कुर्सी

साल 1990 के आखिर में केंद्र में वीपी सिंह की सरकार गिर गई। कांग्रेस के सहयोग से चंद्रशेखर देश के नए प्रधानमंत्री बने और उन्होंने भी देवीलाल को उप प्रधानमंत्री बनाया। चंडीगढ़ में भी इस फेरबदल का असर दिखा। 22 मार्च 1991 को ओपी चौटाला ने मास्टर हुकुम सिंह को हटाकर तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, लेकिन अब की बार उनकी पार्टी में ही घमासान मच गया। कुछ नाराज विधायकों ने पार्टी छोड़ दी, जिससे सरकार खतरे में आ गई और आखिरकार गिर गई। राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। चौटाला इस बार भी महज 15 दिन ही सीएम की कुर्सी पर रह सके, तो इस तरह देखें तो महम कांड ने ओमप्रकाश चौटाला के सियासी जीवन में एक समय जबरदस्त उथल-पुथल मचा दी थी, जिससे बाहर आने में उन्हें तकरीबन 10 साल लग गए। जुलाई 1999 में हविपा-भाजपा गठबंधन की सरकार गिरने के बाद एकबार उनका सियासी भाग्य चमका और वो 1999 से लेकर साल 2005 तक हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे।

प्री-पीसीएस परीक्षा केन्द्रों का डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद बहराइच 22 दिसम्बर। उ.प्र. लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा.) परीक्षा-2024 की प्रथम पाली में सम्पन्न होने वाली परीक्षा को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी, शुचितापूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी ने पुलिस अधीक्षक बृंदा शुक्ला के साथ निरन्तर भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लेती रहीं। डीएम व एसपी ने राजकीय आईटीआई कैम्पस नानपारा रोड-बहराइच परिसर में स्थित राजकीय पॉलीटेक्निक-मोहम्मदपुर, राजकीय महिला पॉलीटेक्निक, रिसिया नानपारा एवं राजकीय पॉलीटेक्निक, आसाम चौराहा, बहराइच का निरीक्षण भी किया। परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान डीएम व एसपी ने परीक्षा केन्द्रों पर स्थापित कन्ट्रोल रूम में पहुंचकर मॉनीटर स्क्रीन पर लगभग सभी कमरों को जूम कर परीक्षा कक्ष के अन्दर की व्यवस्था को परखा। डीएम ने परीक्षा केन्द्र पर मौजूद केन्द्र व्यवस्थापकों, स्टैटिक व सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि किसी भी दशा में परीक्षा की शुचिता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। सभी सम्बन्धित को यह भी निर्देश दिये गये कि इलेक्ट्रानिक डिवाइस को लेकर पूरी सतर्कता बरती जाय। कन्ट्रोल रूम में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया गया कि परीक्षा कक्षों की निगरानी हेतु कन्ट्रोल रूम की स्क्रीन पर अलग-अलग कक्षों को जूम करके निरन्तर अन्तराल पर देखते भी रहें तथा परीक्षा समाप्त होने पर आयोग द्वारा निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार कापियों को सुरक्षित रखने की कार्यवाही की जाय।

विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित होंगे मृतक नरेन्द्र कुमार हलदार के आश्रित

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा बहराइच 22 दिसम्बर। विगत वृहस्पतिवार को बहराइच-नानपारा के बीच तहसील पयागपुर अन्तर्गत ग्राम इमलियागंज में कृष्णानगर कालोनी निवासी नरेन्द्र कुमार हलदार पुत्र राधे श्याम की मार्ग दुर्घटना में हुई मृत्यु के मामले में जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा मृतक के आश्रितों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाये जाने के निर्देश दिए गए थे। डीएम के निदेर्शों के क्रम में विगत दिवस शुक्रवार को जिला प्रोबेशन अधिकारी विनोद राय ने मृतक के घर जाकर उनके 03 बच्चों को मिशन वात्सल्य के अंतर्गत स्पॉन्सरशिप योजना में दिए जाने वाले रू. 4000/- प्रति बच्चा प्रति माह से लाभान्वित किए जाने हेतु मृतक नरेंद्र कुमार के परिजनों से आवेदन कराने सम्बन्धी कार्यवाही पूर्ण की गई। इस प्रकार मृतक के परिवार को उक्त योजना के माध्यम से रू. 12000/- प्रति माह की आर्थिक सहायता प्राप्त हो सकेगी। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा उप जिलाधिकारी पयागपुर को निर्देशित किया गया है कि मृतक के आश्रित परिजनों से आवेदन कराकर उन्हें नियमानुसार मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना से भी आच्छादित किया जाय। उक्त योजना के अंतर्गत मृतक के हिताधिकारियों को एकमुश्त रू. 5,00,000/- की आर्थिक सहायता प्राप्त होगी।

भौतिक शिक्षा के साथ आध्यात्मिक शिक्षा भी विद्यार्थियों को दी जाए।- आचार्य प्रशांत शर्मा जी

रिपोर्ट - भोला ठाकुर ग्रेटर नोएडा से आज दिनांक 22 दिसंबर, 2024 को ग्रेटर नोएडा वर्ल्ड स्कूल के सभागार में "राष्ट्रोत्कर्ष के विविध सूत्र " विषय पर राष्ट्रचिंतना की बाईसवीं गोष्ठी का आयोजन किया गया । गोष्ठी की अध्यक्षता प्रो आर एन शुक्ला ने की। गोष्ठी में मुख्य वक्ता आचार्य प्रशांत शर्मा रहे। मां भारती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर तथा पुष्प अर्पित कर गोष्ठी का प्रारंभ किया गया। विषय परिचय करवाते हुए प्रोफेसर विवेक कुमार,निदेशक एमिटी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी, एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा ने कहा कि राष्ट्र के उत्कर्ष के साथ ही इसके विभिन्न अवयवों जैसे राज्य, प्रांत, नागरिकों का उत्कर्ष निहित है। अतः हमारी समस्त ऊर्जा भारतवर्ष को परम वैभव के सिंहासन तक पहुंचाने पर ही केंद्रित व कार्यशील हो। आचार्य प्रशांत शर्मा ने अपने ओजपूर्ण संबोधन में कहा कि समाज की अनेक बुराइयों जैसे शिक्षा में राष्ट्र प्रेम का अभाव, अपनी गौरवपूर्ण सभ्यता संस्कृति तथा संस्कारों के प्रति भाव का अभाव, युवाओं में नशावृत्ति, समाज में नारीशक्ति का अनादर, परिवार विच्छेद आदि समस्याओं का गुरुकुल की शिक्षा पद्धति द्वारा ही निवारण संभव है। पाश्चात्य शिक्षा से अबोध युवाओं के मन पर विपरीत असर हो रहा है। युवाओं में नशे की प्रवृत्ति बढ़ने से आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे निर्भय कांड व कोलकाता की महिला चिकित्सक के साथ दुराचार जैसी घटनाएं हो रही हैं। अतः आवश्यक है कि भौतिक शिक्षा के साथ आध्यात्मिक शिक्षा भी विद्यार्थियों को दी जाए। जिससे उनमें धैर्य, शील, चरित्र का विकास हो। उन्होंने समाज से अपील की कि राष्ट्रनिर्माण में गुरुकुल की उपयोगिता देखते हुए अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करे।विद्यार्थियों को सदाचार, पुरुषार्थ व ब्रह्मचर्य का पालन करने को प्रेरित किया । राजेश बिहारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान द्वारा किया गया। गोष्ठी में डॉ नीरज कौशिक, डॉ अंबिका प्रसाद पांडे, राजेंद्र सोनी, इंद्रजीत सिंह, सुरजीत उपाध्याय, श्रीनिवास, श्री चंद गुप्ता, भोला ठाकुर, इं आर पी सिंह, रजत टंडन, डॉ राजेंद्र पुरवार, डॉ जय श्री पुरवार, अवधेश गुप्ता, धर्म पाल भाटिया, सरोज, मीनाक्षी, सविता, विनोद, विजय, माया कर्ण, ज्योति सिंह आदि प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

फखरपुर के ग्राम पंचायत मझौरा में आयोजित हुआ सुशासन सप्ताह

ब्लाकों पर आयोजित कार्यक्रमों में 42856 व्यक्तियों को किया गया लाभान्वित

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच 22 दिसम्बर। भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के जन्म दिवस के अवसर पर शासन की मंशानुरूप 19 से 25 दिसम्बर 2024 तक चलाये जा रहे ह्यसुशासन सप्ताह 2024-प्रशासन गांव की ओरह्न अभियान के दृष्टिगत जिलाधिकारी श्रीमती मोनिका रानी के निदेर्शानुसार विगत दिवस मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र द्वारा विकास खण्ड फखरपुर की ग्राम पंचायत मझौरा में आयोजित ह्यसुशासन सप्ताहह्न आयोजन में प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ग्राम वासियों को शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया और योजनाओं से मिलने वाले लाभों के बारे में आमजन मानस को जागरूक भी किया गया। जिससे सभी पात्र लोग योजनाओं का लाभ नियमानुसार प्राप्त कर सके।

इसके साथ ही जनपद के विकास खण्डो में खण्ड विकास अधिकारियों द्वारा विभिन्न ग्राम पंचायतों में सुशासन सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन करते हुए लाभार्थियो को लाभान्वित किया जा रहा है। जनपद में अभियान के दौरान जहां एक ओर विभिन्न योजनाओ यथा प्रधानमंत्री आवास, ग्रामीण पेंशन, परिवार रजिस्टर, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र व्यक्तिगत शौचालय, मुख्यमंत्री आवास योजना आदि से लाभन्वित किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण भी यथा सम्भव मौके पर ही किया जा रहा है। सुशासन सप्ताह के अन्तर्गत चलाये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में फैमली आई0डी0, जीरो पावर्टी आदि से लगभग 42856 व्यक्तियों का लाभान्वित कराये जाने के साथ ही 542 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया। उक्त के अतिरिक्त गरीब व असहाय 6273 व्यक्तियों को कम्बल भी वितरित कराया गया है। शासन द्वारा चलाये जाने वाले उक्त अभियानों का जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में कुशल संचालन जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। जिससे पात्र व्यक्तियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

आंबेडकर विवाद अमित शाह के खिलाफ सपाइयों ने किया प्रदर्शन, पयागपुर में पूर्व विधायक समेत कई हाउस अरेस्ट

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा बहराइच यूपी

बहराइच/पयागपुर, संसद में गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर शनिवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने पूर्व कैबिनेट मंत्री और जिलाध्यक्ष की अगुवाई में नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। इसके बाद ज्ञापन दिया। वहीं पयागपुर से जिला मुख्यालय आ रहे पूर्व विधायक समेत अन्य को हाउस अरेस्ट कर दिया गया। इस पर सभी ने नाराजगी जताई। देश के गृह मंत्री अमित शाह ने तीन दिन पूर्व संसद में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर पर बयान दिया था। इसको लेकर कांग्रेस और सपा विरोध प्रदर्शन कर रही है। शनिवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव के निर्देश पर पूर्व कैबिनेट मंत्री यासर शाह और जिलाध्यक्ष रामहर्ष यादव एडवोकेट की अगुवाई में सभी सपा कार्यकताओं ने पार्टी कार्यालय से जुलूस निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां पर सभी ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर को दिया। इस दौरान काफी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। उधर पयागपुर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर सदन में गृहमंत्री अमित शाह द्वारा दिये गये बयानों पर सियासत काफी गर्म है। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर शनिवार को सपा जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले एक दिवसीय धरना प्रदर्शन को विफल करने के लिये प्रशासन पूरी तरह सजग नजर आया। पुलिस क्षेत्राधिकारी कैसरगंज रवि खोखर, थानाध्यक्ष करुणाकर पाण्डेय,विशेश्वरगंज थाना प्रभारी नवीन कुमार सहित दर्जनों पुलिसकर्मियों ने पूर्व विधायक मुकेश श्रीवास्तव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राम जी यादव सहित बहराइच धरना प्रदर्शन में जा रहे दर्जनों समाजवादी कार्यकताओं को उनके आवास पर हाउस अरेस्ट कर लिया। पूर्व विधायक मुकेश श्रीवास्तव ने कहा कि संविधान निमार्ता बाबा साहब पर केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा की गई टिप्पणी अशोभनीय है। बाबा साहब के सम्मान और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए आयोजित धरना प्रदर्शन को रोकना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। इस अवसर पर बसंत कुमार सिंह, सपा नेता सत्य प्रकाश तिवारी, गोपाल जी उपाध्याय, मालिकराम शर्मा, रामेश्वर चौहान, सभासद विवेक नरायन, अनुपम सिंह, संचित पासवान, विजय गौतम, मुकेश अग्रवाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की निगरानी में खोला गया ट्रेजरी का डबल लॉक

सेक्टर मजिस्ट्रेटों को सौंपे गये प्रश्न पत्र पेटियाँ

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच 22 दिसम्बर। उ.प्र. लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आज 22 दिसम्बर 2024 को (दो पालियों/सत्रों में पूर्वान्ह 09.30 बजे से 11.30 बजे तक व अपरान्ह 02.30 बजे से 04.30 बजे) तक आयोजित होने वाली सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा.) परीक्षा-2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी, शुचितापूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी ने प्रातः काल कोषागार पहुंचकर अपने सम्मुख डबल लॉक को खुलवाया। जहां से सम्बन्धित परीक्षा केन्द्रों के लिए नामित सेक्टर मजिस्ट्रेट पुलिस अभिरक्षा में प्रश्न पत्रों के पेटियां लेकर परीक्षा केन्द्रों के लिए रवाना हुये।

बहराइच - प्रसासन की तत्परता से बची बच्चों की जान, घने जंगल के बीच फँसे थे 130 स्कूली बच्चे

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा बहराइच जिले में गोण्डा जिले से बहराइच के कतर्नियाघाट जंगल क्षेत्र में टूर करने पहुंचे तकरीबन 130 स्कूली बच्चे एवं स्टाफ के लोगों के घने जंगल के बीच फँसने से हड़कंप मच गया,सूचना पाने के बाद डीएम के निर्देश पर मौके पर पहुँचे एसडीएम मोतीपुर ने देर रात सभी स्कूली बच्चों को जंगल से बाहर निकलवाया/

आपको बता दे की गोंडा जिले के धानेपुर से न्यू स्टेंडर्ड प्रशिक्षण संस्थान से कक्षा 1 से 8 तक के 130 स्कूली बच्चों को लेकर स्कूली स्टाफ बहराइच के घने कतर्नियाघाट के जंगलों में के बीच पहुंचा और बच्चों को भ्रमण करवाने के बाद नेपाल के लिए रवाना हुआ लेकिन देर शाम होने की वजह से नेपाल में स्कूली वाहनों को प्रवेश नहीं दिया गया जिसकी वजह से तीन बसों पर सवार सभी स्कूली बच्चों को लेकर स्कूल का स्टाफ वापस जंगलों के बीच पहुंचा और सुनसान बियाबान जंगल के बीच बिछिया स्टेशन पर डेरा डाल दिया,चूंकि कतर्नियाघाट का जंगल काफी बड़ा होने की वजह से रात्रि के समय वाहनों की आवाजाही को रोक दिया जाता है लिहाजा स्कूली बच्चे भी बीच जंगलों में फंसे रहे,

घने जंगल के बीच स्कूली बच्चों के फंसे होने की जानकारी जैसे ही जिलाधिकारी मोनिका रानी को मिली उन्होंने मोतीपुर एसडीएम को देर रात मौके पर भेजा।

देर रात स्कूली बच्चों के पास पहुंचे एसडीएम संजय कुमार ने स्टाफ के लोगों को जमकर फटकार लगाई और तत्काल जंगल के बीच से बच्चों को सुरक्षित जगह पर ले जाने की बात कही,एसडीएम के पहुँचने के बाद स्कूली बच्चों को बसों पर बिठा कर देर रात जंगल से बाहर निकाला जा सका,

जंगल से बच्चों के निकल जाने के बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली।चूँकि कतरनीयाघाट जंगल बेहद खतरनाक जंगल है जहां पर शेर चीता एवं जंगली हाथियों का जमावड़ा है इसी बीच 130 लोगों के फंसे होने की बात सुनकर प्रशासन के हाथ पाँव फूल गए थे,

आचार्य पीठ टोपी कुंज में धूमधाम से चल रहा है जगद्गुरू निंबाकाचार्य श्रीमन्मुकुंद देवाचार्य पीठाधिपति सदगुरुदेव सनत्कुमार दास देवाचार्य महाराज का 46वां द्वादश दिवसीय स्मृति महोत्सव

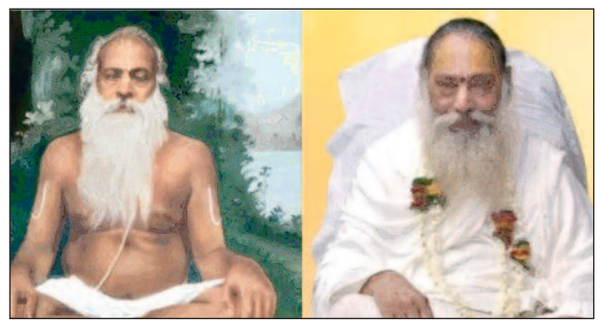

(डॉ. गोपाल चतुवेर्दी)

वृन्दावन। रमणरेती-परिक्रमा मार्ग स्थित प्राचीन वन विहार (आचार्य पीठ टोपी कुंज) में अनंतश्री विभूषित जगद्गुरू निंबाकाचार्य श्रीमन्मुकुंद देवाचार्य सेवा समिति चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) के द्वारा आद्याचार्य अनंतश्री विभूषित जगद्गुरू निंबाकाचार्य श्रीमन्मुकुंद देवाचार्य पीठाधिपति सदगुरुदेव सनत्कुमार दास देवाचार्य महाराज का 46वां द्वादश दिवसीय स्मृति महोत्सव जगदगुरू निंबाकाचार्य श्रीश्रीललिताशरण देवाचार्य महाराज के पावन सानिध्य में अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ चल रहा है।जो कि 16 दिसंबर से प्रारंभ होकर 27 दिसंबर 2024 तक चलेगा।जिसके अंतर्गत सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा, श्रीमद्भक्तमाल पाठ पारायण आदि के धार्मिक आयोजन हो रहे हैं।

वन विहार के अध्यक्ष श्रीश्रीललिताशरण देवाचार्य महाराज ने कहा कि वन विहार (आचार्य पीठ टोपी कुंज) श्रीधाम वृन्दावन का अत्यंत प्राचीन तथा निंबार्क संप्रदाय का प्रमुख केंद्र हैं।यह दिव्य स्थान अनेकों वर्षों से निंबार्क संप्रदाय के संवर्धन, संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार में लगा हुआ है।

पंडित रामनिवास शास्त्री ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत 23 दिसंबर से त्रिदिवसीय श्रीमहावाणीजी का समाज गायन होगा। 25 दिसंबर को प्रातः 9 बजे से अखंड श्रीमद्भागवत मूल पारायण प्रारंभ होगा।26 दिसंबर को प्रातः 6 बजे से वृन्दावन की सुप्रसिद्ध कीर्तन मंडली के द्वारा अखंड श्रीयुगल महामंत्र का कीर्तन किया जाएगा।तत्पश्चात 27 दिसंबर को मध्याह्न में संत, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ महोत्सव का समापन होगा।

महोत्सव में भागवताचार्य महावीर शरण शास्त्री, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुवेर्दी, डॉ. राजेश सूद, डॉ. राधाकांत शर्मा, आचार्य ब्रज वल्लभ शास्त्री, डॉक्टर अनिल, हरिदास बाबा, संजीव, दिनेश, सतीश मिश्रा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

धर्म रक्षा दिवसः सनातन संस्कृति और सामाजिक समरसता का संदेश

गौतमबुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा, 22 दिसंबर 2024: गुरु अंगद देव बस्ती, मंगल पांडे नगर में आज धर्म रक्षा दिवस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में धर्म जागरण विभाग के नोएडा संयोजक रविंद्र भाई साहब मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सनातन संस्कृति और संस्कारों को जन-जन तक पहुंचाने, मानव मूल्यों की रक्षा करने और जातिगत भेदभाव समाप्त कर समाज को एकजुट करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में मातृशक्ति और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य संदेश यह था कि देश और धर्म की रक्षा के लिए हर नागरिक को सतर्क और तत्पर रहना चाहिए। श्री रविंद्र जी ने कहा, "समाज में समरसता कायम रखना और धर्मभाव जाग्रत करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है।"

हनुमान चालीसा और कल्याण मंत्र के पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। आयोजन में 140 से अधिक लोगों की भागीदारी रही। इस अवसर पर धर्म जागरण संयोजक धर्मवीर जी और जिला संयोजक नारायण जी, गिरीश जी, और योगेश जी ने उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की। उन्होंने बताया कि ऐसे कार्यक्रम समाज को एकजुट करने और सनातन धर्म के मूल्यों को आगे बढ़ाने का माध्यम हैं। धर्म रक्षा दिवस ने न केवल सनातन संस्कृति के प्रति आस्था को मजबूत किया, बल्कि सामाजिक एकता और समरसता का संदेश भी दिया।

पुलिस के सुनवाई न करने पर मुख्यमंत्री पोर्टल पर की शिकायत

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के देवटा गांव की आटा चक्की के अंदर 6 दिसंबर को 28 वर्षीय राम अवतार का शव मिला था। मृतक के परिजनों ने गांव के ही एक युवक पर हत्या का आरोप लगाते हुए थाना दनकौर में मुकदमा दर्ज कराया था। परिजनों का आरोप है कि इस मामले में पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। पुलिस इस केस को हादसा बताने में लगी है। परिजनों ने मामले की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर ही है।

देवटा गांव निवासी आकाश ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर दी गई अपनी शिकायत में कहा है कि 6 दिसंबर को उसके 28 वर्षीय भाई राम अवतार को गांव के ही अरुण ने अपनी आटा चक्की पर बुलाया था। जहां बाद में उसका शव मिला था। इस संबंध में परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर शव का पंचनामा कराया और पोस्टमार्टम कराया। साथ ही पुलिस ने शिकायत पर आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा भी दर्ज कर लिया। 15 दिन से अधिक समय बीत जाने के बाद भी पुलिस आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। आरोपी पीड़ित परिवार के घर के सामने खुलेआम घूमता रहता है। परिजनों का कहना है कि इस संबंध में उन्होंने कई बार पुलिस से शिकायत की है। लेकिन आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो रही है। हताश होकर उन्होंने रविवार को मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर पुलिस पर आरोपी की गिरफ्तारी न करने का आरोप लगाया है। उधर, पुलिस ने अब तक की अपनी जांच में मामले को हत्या नहीं बल्कि हादसा बताया है। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि मृतक की विसरा रिपोर्ट प्रयोगशाला भेज दी गई है। वहां से रिपोर्ट आने के बाद ही मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बौद्धिक के साथ बच्चों के लिए शारिरिक तालीम भी जरुरी : विजेंद्र सिंह

आज का मुद्दा

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 73 स्थित यदु पब्लिक स्कूल ने अपना वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया। 'अतुल्य भारत' थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि देश के मशहूर मुक्केबाज विजेंद्र सिंह और स्कूल संस्थापक एवं पूर्व मंत्री डीपी यादव उपस्थित रहे।सभी अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन के बाद सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस दौरान स्कूली बच्चों ने नृत्य, गायन ,नाट्य मंचन व खेल सम्बंधित अन्य प्रस्तुतियों से पूरे प्रांगण को हर्ष और उल्लास से सराबोर कर दिया।इस दौरान प्रतिभागियों ने भारत की समृद्ध संस्कृति और विरासत को दर्शाने वाले प्रदर्शन में अत्यधिक रुचि दिखाई। छात्रों का प्रदर्शन आजादी के बाद भारत द्वारा प्राप्त विकास पर आधारित था, यह शो पूरी तरह लक्ष्यों को प्राप्त करने में भारतीयों की यात्रा पर केंद्रित था।इस दौरान पूर्व मंत्री डीपी यादव ने विद्यालय के संस्थापक और स्वतंत्रता सेनानी महाशय स्वर्गीय तेजपाल यादव को याद करते हुए कहा कि जिस सपने के साथ इस स्कूल की शुरूआत की गई थी , आज उसे बेहतर रिजल्ट सामने है।यहां गांव और शहर की मिलीजुली आबादी में ग्रामीण बच्चों का इतना जबरदस्त प्रदर्शन सराहनीय है।इस दौरान मुक्केबाज विजेंद्र सिंह ने कहा कि स्कूल में बच्चों को बेहतर भविष्य की तालीम दी जा रही है जहां बॉक्सिंग प्रशिक्षण केंद्र की शुरूआत अपने आप में अनूठी पहल है।आज के दौर में बच्चों को बौद्धिक और शारिरिक दोनों ही स्तर पर मजबूत होने की आवश्यकता है।प्रिंसिपल शोविका यादव ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और छात्रों और कर्मचारियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। उन्होंने स्कूल की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत करके कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जिसमें प्रबंधन द्वारा दिए गए निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के साथ संस्थान द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रम शामिल थे और स्कूल के टॉपर्स को बधाई दी।इस दौरान निदेशक और मुख्य विपणन अधिकारियों ने देश की मूल परंपरा के बारे में बात की जो शिक्षा, शिक्षक-छात्र संबंध, प्रार्थना करने के लिए एक मंदिर के महत्व पर जोर देती है। उन्होंने सभा को विश्लेषणात्मक, आलोचनात्मक सोच और टीम निर्माण कौशल से अवगत कराया।कार्यक्रम में डॉ धर्मवीर डीआइओएस जिला गौतमबुद्ध नगर, उमलेश यादव झपूर्व विद्यायक,अमित चौधरी जिला पंचायत अध्यक्ष नॉएडा ,कुणाल यादव उपाध्यक्ष स्कूल प्रबंध समिति,कुञ्ज यादव निदेशक एवं सचिव स्कूल प्रबंध समिति उपस्थित रहे।

किसान स्वाभिमान महापंचायत में आने के लिए किसानों से किया जनसम्पर्क

आज का मुद्दा-नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट पर 27 दिसम्बर को होने वाली किसान स्वाभिमान महापंचायत के लिए भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कार्यकर्ताओ संग श्योराजपुर ,खोदना, पैराडाईज ड्रीम सिटी, मानव एन्कलेब तिलपता ,गुरजा डेरीन, लहाबास आदि गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर गावों में किसानों की समस्यायों को लेकर बैठक की।श्री भाटी ने किसानों से किसान स्वाभिमान महापंचायत में आने की अपील की।इस दौरान उन्हें हर गांव में किसानों का पूर्ण समर्थन मिला। यूथ उत्तर प्रदेश अध्यक्ष विपिन खारी का कहना है कि गौतमबुद्धनगर के किसानों के साथ हो रहे शोषण और जेल में बन्द किसानों की बिना शर्त रिहाई एंव किसानों की जायज मांगों को लेकर किसान स्वाभिमान महापंचायत बुलाई गई है जिसके लिए संगठन गांव गांव जनसंपर्क अभियान चलाकर किसानों का समर्थन जुटा रहा है।प्रदेश अध्यक्ष हातम सिंह भाटी ने बताया कि ग्राम श्योराजपुर निवासी राजू भाटी के निवास पर व पैराडाईज ड्रीम सिटी, लहाबास में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी एंव राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा रेखा सिवाल का ग्राम वासियों ने भव्य स्वागत किया और दर्जनों किसानों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की।इस अवसर पर युवा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सचिन शर्मा, प्रदेश महासचिव दिलदार अंसारी, प्रदेश उपाध्यक्ष गिरीश भाटी, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश भडाना, प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल भाटी, प्रदेश उपाध्यक्ष सोनू खारी, प्रदेश संगठन मन्त्री डाक्टर संजीव भाटी, जिलाध्यक्ष योगेश वैष्णव, जिला महासचिव अनूप भाटी, जिला संगठन मन्त्री हरेन्द्र भाटी, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रशान्त नेता, तहसील अध्यक्ष सोविदंर भाटी आदि लोग मौजूद रहे।

जनपद में आयोजित हो रही राज्य/प्रवर सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 को लेकर जिलाधिकारी एक्शन में

आज का मुद्दा-गौतम बुद्ध नगर : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित कराई जा रही राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 को जनपद में सभी 18 परीक्षा केन्द्रों पर सुचिता के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा स्वयं परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचकर परीक्षा का जायजा ले रहे हैं। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नोएडा पहुंचकर परीक्षा का स्थलीय जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम, सुरक्षा व्यवस्था एवं मूलभूत सुविधाओं को परखा जोकि मानकों के अनुरूप सुदृढ़ पाई गई। जिलाधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की मंशा अनुरूप जनपद के सभी परीक्षा केन्द्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच सुचिता के साथ शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित हो रही है परीक्षा।

इस दौरान जिलाधिकारी के साथ पुलिस एवं शिक्षा विभाग के अधिकारीगण का उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री वितरित की

आज का मुद्दा-नोएडा। तरुण मित्र परिषद द्वारा आयोजित वार्षिक समारोह मे साधनहीन विद्यार्थियों की मदद की गयी।समारोह का दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि धानुका एग्रीटेक लि.के एम. डी. महेन्द्र कुमार धानुका ने किया। बता दे कि परिषद द्वारा गत 49 वर्षों से किए जा रहे सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि परिषद देश के अनेकों राज्यों मे दिव्यांग कैम्प लगाकर दिव्यांगजनों को कृत्रिम हाथ व पैर आदि उपलब्ध कराकर प्रशंसनीय कार्य कर रही है।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिषद के अध्यक्ष मनोज कुमार जैन ने केंद्रीय सड़क परिवहन राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा का संदेश 'पढ़ेगा भारत बढ़ेगा भारत ' साझा किया।उन्होंने कहा कि यह संदेश केवल शब्द नही बल्कि एक प्रेरणा है जो समाज को सशक्त बनाने और हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार दिलाने का दिशा मे हमारा मार्गदर्शन करता है।इस अवसर पर 49वीं वार्षिक स्मारिका का विमोचन भी किया गया।इस अवसर पर समाजसेवी विक्रम सेठी भी उपस्थित थे जो नोएडा के विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री दिलाने लाए थे।परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि आज इस कार्यक्रम मे विभिन्न स्कूलों के 400 से अधिक साधनहीन छात्र-छात्राओं को जीवन पब्लिशिंग हाउस द्वारा जे.पी.एच. की सहायक पाठ्य पुस्तकें, धर्मपाल सत्यपाल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रजिस्टर व कापियां, पूजा-प्रियंका व सुधा गुप्ता परिवार (DSGroup, Noida) की ओर से मिठाइयां वितरित की गईं।सभी के मनोरंजन हेतु अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्ध जादूगर राज कुमार की टीम द्वारा मैजिक शो प्रदर्शित किया गया।समारोह मे ज्योतिषाचार्य मोती मेहता अभय जैन,परिषद के उपाध्यक्ष अशोक कुमार जैन, संगठन सचिव राकेश जैन, सहसचिव आलोक जैन, राम किशोर शर्मा, राम औतार शर्मा आदि उपस्थित थे।

महाकौथिग का दूसरा दिन उत्तराखंडी लोक नृत्य के नाम, 28 टीमों ने लिया भाग

आज का मुद्दा-नोएडा। नोएडा स्टेडियम में चले रहे 14वें महाकौथिग मेले के दूसरा दिन सुबह का सत्र उत्तराखंडी लोक नृत्य के नाम रहा। 14वें महाकौथिग के दूसरे दिन सुबह के सत्र का शुभारम्भ मेजर जनरल (से.नि.) गोपाल के. थपलियाल, कुलपति, सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने उत्तराखंड महाकौथिग मेले की जमकर सराहना की और पूरी महाकौथिग टीम को बधाई दी। जिसके बाद दिल्ली एनसीआर मे रह रहे प्रवासी उतराखंडियों की 28 महिला मंडलियों द्वारा उत्तराखंड लोक नृत्य प्रतियोगिता मे पहाड़ी लोक नृत्य की खूबसूरत प्रस्तुतियां पेश की गयी.

उत्तराखंड लोक नृत्य प्रतियोगिता मे जज की भूमिका मे उत्तराखंड की स्वर कोकिला कल्पना चौहान, मुकेश बिष्ट, पूजा आर्य रहे। प्रतियोगिता की विजेता वेस्ट विनोद नगर दिल्ली की तांदी ग्रुप टीम रही। जबकि भगवती आर्ट ग्रुप ने दूसरा स्थान हासिल किया। वहीँ पूर्वांचल ग्रुप तीसरे स्थान पर रही।शाम के सत्र मे लोक गायक रोहित चौहान, लोक गायिका दीपा पंत और लोक गायक कैलाश कुमार अपने गीतों की प्रस्तुतियां पेश की

ओवरस्पीडिंग और हंगामा करने वाले 76 बाइकर्स के खिलाफ कार्रवाई की गई

आज का मुद्दा-नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर बाइक राइड के नाम पर हंगामा करने वाले बाइकर्स के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे के जीरो पॉइंट से 40 बाइक का चालान और सीज करने की कार्रवाई की है। वीकेंड पर बाइकर्स नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे पर हंगामा और ओवरस्पीडिंग करते हैं। जिससे दूसरे लोगों की जान भी जोखिम में रहती है।

दरअसल, छुट्टी के दिन यहां नोएडा एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे पर बाइकर्स रेस लगाते हैं। बड़ी संख्या में बाइकर्स दिल्ली से आते हैं और रेस लगाते समय नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और फिर यमुना एक्सप्रेसवे पर ओवरस्पीडिंग करते हैं। इस दौरान हादसों की आशंका भी लगातार बनी रहती है। इनके द्वारा ओवरस्पीडिंग और हंगामा करने से दूसरे लोगों को भी परेशानी होती है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद रविवार को नोएडा और ग्रेटर नोएडा

में पुलिस ने बाइकर्स के खिलाफ अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि काफी दिनों से सूचना मिल रही थी कि दिल्ली से कुछ बाइकर्स नोएडा की सीमा में प्रवेश करते हैं और फिर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे पर लापरवाही से तेज गति से बाइक चलाकर उत्पात मचाते हैं। जिससे आम लोगों की जान भी खतरे में रहती है। मिली सूचना के आधार पर ऐसे बाइकर्स को पकड़ने के लिए एसीपी वन ग्रेटर नोएडा के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया।

बाइकर्स के खिलाफ की गई कार्रवाई

इस टीम ने रविवार को लापरवाही और खतरनाक तरीके से मोटरसाइकिल चलाने वाले बाइकर्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। रविवार को पुलिस ने नोएडा में एक्सप्रेसवे से 36 बाइकों का चालान कर उन्हें जब्त किया है, इसके साथ ही इन लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही एडीसीपी ग्रेटर नोएडा अशोक कुमार ने बताया कि नोएडा में पुलिस ने तेज गति से लापरवाही से बाइक चलाकर उत्पात मचाने वाले 40 बाइकर्स को पकड़ा है।

बाइकर्स के खिलाफ अभियान जारी

नोएडा में एसीपी वन पवन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा अभियान चलाया गया। उसमें भी रविवार को पुलिस ने 40 बाइकर्स के चालान किए और बाइक सीज की। एडीसीपी ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। इस तरह से लापरवाही बरतकर हुड़दंग मचाने वाले बाइकर्स के खिलाफ सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की जाएगी। क्योंकि उनकी लापरवाही की वजह से एक्सप्रेसवे पर सफर करने वाले दूसरे लोगों की जान भी खतरे में रहती है। साथ ही हादसों की आशंका भी बढ़ जाती है।

जिले के 62 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने छोड़ दी पीसीएस परीक्षा

नोएडा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से रविवार को आयोजित पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा जिलेभर के 18 केंद्रों पर आयोजित हुई। हालांकि, दोनों पालियों में मात्र 38 प्रतिशत अभ्यर्थी ही परीक्षा देने के लिए केंद्रों पर पहुंचे, जबकि 62 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने विभिन्न कारणों से परीक्षा छोड़ दी। वहीं, परीक्षा को नकलविहीन बनाने के लिए संघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभ्यर्थियों से कलावा, कुंडल और अंगूठी तक बाहर उतरवा दी गई। जिला प्रशासन के मुताबिक, पहली पाली में 7229 में से 2730 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि 4499 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में 7229 में से 2711 अभ्यर्थी शामिल हुए और 4518 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। पहली और दूसरी पाली में करीब 38 प्रतिशत अभ्यर्थी ने ही परीक्षा दी। अभ्यर्थियों को पहली पाली में 45 मिनट पहले केंद्र पर प्रवेश मिला। प्रवेश के दौरान सुरक्षा के तीन घेरे को पार कर अभ्यर्थी परीक्षा कक्ष तक पहुंचे। कासना स्थित श्री अमीचंद्र इंटर कॉलेज में महिला अभ्यर्थियों से कुंडल, अंगूठी और कड़ा उतरवा दिया गया। वहीं, ठंड के बावजूद जैकेट, जूते और टोपी तक उतरवा दी गई। प्रत्येक केंद्र पर पांच-पांच मिनट तक अभ्यर्थियों की चेकिंग की गई। फर्जी अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल न होने पाए, इसलिए रेटिना और बॉयोमेट्रिक जांच भी की गई। कैंची से अभ्यर्थियों के कलावा और धागा तक काट दिए। पहले घेरे में एलआईयू, दूसरे में एजेंसी और तीसरी में शिक्षकों ने चेकिंग की। साथ ही एडीएम, एसडीएम, सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा स्टेटिक मजिस्ट्रेट ने केंद्रों का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने भी केंद्रों का निरीक्षण किया

पीसीएस परीक्षा को नकलविहीन बनाने के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सेक्टर-39 राजकीय महाविद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं को परखा, जो मानकों के अनुरूप पाई गई। जिलाधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की मंशा अनुरूप जनपद के सभी परीक्षा केन्द्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच आयोजित की गई है।

प्रवासी लोगों ने पहाड़ी नृत्य कर मनमोहा के नाम, 28 टीमों ने लिया भाग

आज का मुद्दा-नोएडा। सेक्टर-21ए स्थित स्टेडियम में आयोजित हो रहे महाकौथिग मेले में दूसरे भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उत्तराखंड की संस्कृति पर आधारित महाकौथिग मेले के दूसरे दिन कलाकारों द्वारा लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। कलाकारों ने पहाड़ी नृत्य की मनोरम प्रस्तुति देकर लोगों का मनमोह लिया। इसमें पहले सत्र में उत्तराखंड लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में दिल्ली-एनसीआर में रह रहे उत्तराखंड के प्रवासी लोगों की 28 टीमों ने प्रतिभाग किया। इसमें पहला स्थान प्राप्त कर तांदी ग्रुप विजेता रही। वहीं, दूसरा स्थान भगवती आर्ट ग्रुप ने हासिल किया और तीसरे स्थान पर पूर्वांचल ग्रुप रहा। समारोह का शुभारंभ कुलपति गोपाल के थपलियाल द्वारा किया गया।

नोएडा स्टेडियम में आयोजित मेले के मुख्य संयोजक राजेंद्र चौहान ने बताया कि शाम को उत्तराखंड के लोक गायक रोहित चौहान, लोक गायिका दीपा पंत और लोक गायक कैलाश कुमार ने अपने गीतों की प्रस्तुतियां दी। मेले में हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। महाकौथिग में अंतरविद्यालय उत्तराखंड लोक नृत्य प्रतियोगिता आयोजित भी की गई। इसमें छात्राओं ने उत्तराखंड के लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। मेले में हजारों की संख्या में दर्शक शामिल हुए। लोगों ने उत्तराखंडके व्यंजनों का भी लुत्फ उठाया। इसमें मंडुआ की मिठाई, झंगोरे की खीर, गजक, गुड़, टेसू के फूल से बने उत्पाद, बाल मिठाई, सिंगौड़ी, खुचेआ आदि व्यंजन शामिल थे। नोएडा स्टेडियम मैदान में आयोजित मेले में रविवार को छुट्टी होने के चलते बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार के साथ मेले का लुफ्त उठाने पहुंचे। इसमें मेले में बच्चों ने मेले में लगे झूलों का लुफ्त उठाया और खिलौनों की खरीद दी। इसी के साथ महिलाओं ने घरेलू सामान खरीद की।

ग्रेनो मोटिवेशनल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप का आयोजन

आज का मुद्दा-नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में रविवार को ग्रेनो रोलर स्केटिंग स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से तीसरी ग्रेनो मोटिवेशनल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले से अंडर-4 से अंडर-16 वर्ग में करीब 250 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इसमें क्वांड, इनलाइल, टॉय इनलाइन व एडजस्टेबल कैटेगरी में बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया। जिला रोलर स्केटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष आकाश रावल ने बताया कि जिले के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ग्रेनो मोटिवेशनल रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इससे स्केटिंग के गुर सीखने वाले खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में खेलने का प्रोत्साहन मिलेगा।

कैट 2024 में कैरियर लॉन्चर नोएडा ने फिर लहराया परचम

आज का मुद्दा-नोएडा। कैट 2024 के परिणाम 20 दिसंबर की रात घोषित हुए, और कैरियर लॉन्चर नोएडा ने इस बार भी अपने छात्रों के शानदार प्रदर्शन से एक बार फिर सफलता का परचम लहराया। आज सुबह आयोजित एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस में कैरियर लॉन्चर नोएडा के निदेशक और IIT खड़गपुर के पूर्व छात्र रामानुज मिश्रा ने इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर खुशी जाहिर की और छात्रों, अभिभावकों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

बता दे कि इस वर्ष, 6 छात्रों ने कैट 2024 में 99+ पर्सेंटाइल और उससे अधिक अंक हासिल किए।इनमें भृगु कुमार भाटरा ने श्अफ्ह सेक्शन में परफेक्ट 100 पर्सेंटाइल का गौरव प्राप्त किया। अन्य 99+ पर्सेंटाइल प्राप्त करने वाले छात्रों में दिशा तिवारी, अमीश टंडन, साजल महेश्वरी, आदित्य जुत्शी, और रिया जेटिथोर शामिल हैं।इसके अलावा, 90+ पर्सेंटाइल प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या 30 से अधिक है, और 80+ पर्सेंटाइल हासिल करने वाले 50 से अधिक छात्रों ने अपने प्रदर्शन से सभी को गौरवान्वित किया है। अभी भी परिणाम प्रक्रिया में हैं और और भी छात्रों की उत्कृष्टता की उम्मीद है।रामानुज मिश्रा ने कहा कि यह सफलता केवल छात्रों की नहीं है, बल्कि उनके परिवारों और हमारे शिक्षकों की भी है। अभिभावकों के विश्वास और छात्रों की मेहनत ने इस उपलब्धि को संभव बनाया है। उन्होंने आगे बताया कि IIT खड़गपुर से इंजीनियरिंग की पढ़ाई

पूरी करने के बाद उन्होंने भारत और विदेशों में कार्य किया। शिक्षा के प्रति समर्पण और गणित के प्रति गहरे लगाव के कारण उन्होंने कॉर्पोरेट करियर छोड़कर नोएडा सेक्टर-62 में कैरियर लॉन्चर केंद्र की शुरूआत की।आज श्री मिश्रा सेक्टर-62, सेक्टर-02, नोएडा एक्सटेंशन, और ग्रेटर नोएडा केंद्रों का निर्देशन कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि हमारा उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों की मदद करना है और सभी आने वाले छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना है, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सकें।

अन्य परीक्षाओं में सफलता

कैट के अलावा, कैरियर लॉन्चर नोएडा के छात्रों ने CLAT, CUET, और IPMAT जैसी अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भी शानदार सफलता हासिल की है। अभिजय तिवारी ने AILET में अक्फ़ 9, दीपांशु समद्दार ने CLAT में AIR 52 प्राप्त किया, और तेजस जिंदल ने IPMAT में अपनी उपलब्धियों से सभी को गौरवान्वित किया। इसके अलावा, CUET 2024 में कैरियर लॉन्चर नोएडा के अनेक छात्रों ने परफेक्ट स्कोर हासिल किया। हर साल यहां से हजारों छात्रों के चयन की सफलता की कहानियां लिखी जाती हैं, जो शिक्षा के क्षेत्र में कैरियर लॉन्चर नोएडा को अग्रणी बनाती हैं।

हर साल यहां से हजारों छात्रों के चयन की सफलता की कहानियां लिखी जाती हैं, जो शिक्षा के क्षेत्र में कैरियर लॉन्चर नोएडा को अग्रणी बनाती हैं।

आगे की योजनाएं

श्री मिश्रा ने भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हम अपने छात्रों को उनकी क्षमताओं के अनुसार सर्वोत्म मार्गदर्शन प्रदान करें। इसके साथ ही, हम अभिभावकों के विश्वास और छात्रों की मेहनत को सही दिशा और समर्पण के साथ साकार करें, ताकि आने वाले वर्षों में और भी बड़े परिणाम हासिल कर सकें।अंत में श्री मिश्रा ने अभिभावकों और शिक्षकों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि आपके विश्वास ने हमारे शिक्षकों और छात्रों को प्रेरित किया है।यह सफलता आपकी ही है।